राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–26 | अंक–10 | अप्रेल, 2026 | कुल पृष्ठ–32 | मूल्य–₹ 15

माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा भारत स्काउट व गाइड के स्थानीय संघ जमवारामगढ़ में वृक्षारोपण करते हुए, सचिव स्थानीय संघ श्री हरिनारायण मीणा सहयोग करते हुए

जिला बूंदी के शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) परिसर में शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर का स्काउट गाइड ने गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्कार्फ पहनाकर अभिनंदन किया। श्री दिलावर स्काउट परिवार का अभिवादन स्वीकारते हुए।

चित्रमय झलकियाँ

सेंट्रल पार्क जयपुर में दांडी मार्च सविनय अवज्ञा आंदोलन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में
राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य

जगतपुरा जयपुर में आयोजित वर्ल्ड सीनियर स्काउटर्स क्लब के प्रथम राष्ट्र स्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए
राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं सहभागिता करते हुए देश-विदेश के सीनियर स्काउटर्स

राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित मीटिंग के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर अव्वल राजस्थान को प्राप्त सर्वोच्च सहभागिता प्रमाण पत्र मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. के.के. खण्डेलवाल के कर-कमलों से प्राप्त करते हुए राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) पूरण सिंह शेखावत एवं कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुयश लोढ़ा

उदयपुर के रोवर श्री विशाल गुप्ता को महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन द्वारा सिटी पैलेस, उदयपुर में आयोजित राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम में स्काउटिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के फलस्वरुप महाराणा राज सिंह अवार्ड से सम्मानित करते हुए
श्री लक्ष्यराज सिंह मेवाड़

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 26 अंक : 10
अप्रेल, 2026

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स–स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
आर.पी. सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

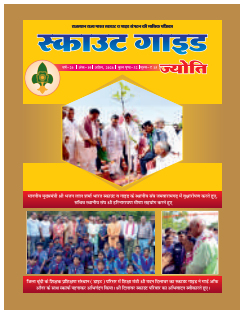

इस अंक में

	विषय	पृष्ठ संख्या
•	दिशाबोध	4
•	संपादकीय	4
•	निरंजन आर्य द्वारा शिविर का निरीक्षण	5
•	राज्य कार्यकारिणी समिति सभा	6
•	सी.एस.आर. फण्ड से राशि स्वीकृत	7
•	यूथ कल्चरल प्रोग्राम	7
•	गोल्डन एरो अवार्ड एवं कब–बुलबुल उत्सव 2026	8
•	इंटरनेशनल एडवेंचर प्रोग्राम	9
•	राज्य स्तरीय रोवर–रेंजर डेजर्ट ट्रेकिंग शिविर	10
•	हिमालय वुड बैज कोर्स : एक अद्वितीय अनुभव	13
•	राज्य स्तरीय स्काउट ट्रेनर्स मीट	14
•	स्काउटिंग : पर्यावरण संरक्षण प्रेरणा का सशक्त माध्यम	15
•	गतिविधि दर्पण	16
•	महिला सशक्तिकरण	26
•	शिक्षक के लिए धैर्य	28
•	पर्यटन स्थल : मंडोर का किला	24
•	हमारे महापुरुष : महर्षि डॉ. धोंडो केशव कर्वे	25
•	हमारा स्वास्थ्य : अच्छी सेहत के लिए जरूरी है सुकून भरी नींद	27
•	दक्षता पदक : कलाकार एवं शिविर संरक्षक	29
•	गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क:150/–	1200/–

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

गुणात्मक वृद्धि की ओर

संगठन की उत्तरोत्तर प्रगति में प्रेरणा और मार्गदर्शन का बहुत महत्त्व है। हाल ही में भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित नेशनल प्रोग्राम एवं ट्रेनिंग मीटिंग के दौरान राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड को राष्ट्रीय स्तर पर अव्वल स्थान प्राप्त करने पर सर्वोच्च सहभागिता प्रमाण पत्र से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। मेरा सभी से आह्वाह है कि वे सभी गतिविधियों में अपने विद्यालय से ज्यादा से ज्यादा सहभागिता का प्रयास करें, जिससे अपना राज्य सदैव राष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित कर सकें। और याद रखें कि सम्मान का प्रोत्साहन हमें फिर आगे बढ़ने को प्रेरित करता है।

संघर्ष जीवन का मूल तत्व है, संघर्ष से ही प्रगति होती है, नई राह निकलती है। समस्याएं हमारे जीवट की धार को पैना करती है....हमें बेहतर करने के लिए–बेहतर बनने के लिए–समाज को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करती है। अतः नई दृष्टि से आन्दोलन की कार्य प्रणाली का सार्थक उपयोग कर स्वयं को घर व समाज के लिए और अधिक उपयोगी बनायें।

वर्तमान में राजस्थान प्रदेश स्काउट गाइड संगठन अपनी संख्यात्मक वृद्धि के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाये हुए है। अब संख्यात्मक वृद्धि के साथ–साथ गुणात्मक वृद्धि के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अत्याधिक सार्थक प्रयासों की आवश्यकता है।

मेरा सभी से आह्वान है कि राष्ट्रीय स्तर पर हमारे स्काउटर गाइडर या स्काउट गाइड जब भी हमारे प्रदेश का प्रतिनिधित्व करें तो उससे पहले हम अपने स्तर पर पूर्णतया आश्वस्त हों कि हमारे लीडर्स, स्काउट गाइड रोवर रेंजर उस गतिविधि में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं एवं प्रदर्शन के लिए पूर्णरूप से तैयार एवं प्रशिक्षित हों। प्रदेश का उत्कृष्ट प्रदर्शन ही हमारी पहचान बने यही हमारा ध्येय और लक्ष्य होना चाहिये।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित.....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

हमारा कर्म हो सेवा, हमारा धर्म हो सेवा।
सदा ईमान हो सेवा, वो सेवकचर बना देना।

स्काउट गाइड प्रार्थना की उक्त पंक्तियां बालक–बालिकाओं को सेवा की ओर अग्रेषित करने एवं संकल्पित भाव उत्पन्न करने की एक प्रभावी प्रक्रिया है। यह एक सेवाव्रत धारी संगठन है। हर समय सेवा करने को उद्यत रहने की बात स्काउट गाइड आन्दोलन सिखाता है। स्काउटिंग गाइडिंग को सेवा का पर्याय कहा जाता है।

मुझे यह बताते हुए आनन्दानुभूति है कि सेवा के उद्देश्य की पूर्ति हेतु प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री खाटूश्याम जी के मेले के अवसर पर स्काउट गाइड सेवा शिविर का आयोजन कर देश–विदेश से आने वाले दर्शनार्थियों को स्काउट गाइड ने अपनी विविध प्रकार के सेवाओं से लाभान्वित किया। इस सेवा शिविर में एक हजार से अधिक स्काउट गाइड रोवर रेंजर द्वारा दी गई सेवाओं से अभिभूत होकर राज्य के अनेक प्रशासनिक अधिकारियों ने स्काउट गाइड द्वारा दी गई निःशुल्क सेवाओं को निःस्वार्थ और उत्कृष्ट बतलाया। ये सेवाएं हमारे प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाने में सहायक है। सेवा का यही आलम वर्ष पर्यन्त दिखलाई देता है।

ऋण से उऋण होने का सर्वोत्तम मार्ग 'पर सेवा' ही है। जिसने अपने जीवन को सवा में नहीं लगाया उसने जीवन के असली उद्देश्य को समझा ही नहीं। सेवा को भक्ति भी कहा गया है और यह भक्ति ही हमारे संगठन की शक्ति है। अतः सभी स्काउट गाइड रोवर रेंजर से यह अपेक्षा की जाती है कि वे प्रतिदिन कोई न कोई सेवा का कार्य अवश्य करें।

स्काउट गाइड भावना सहित....!

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

निरंजन आर्य द्वारा शिविरों का निरीक्षण

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जोधपुर द्वारा आयोजित बेसिक व एडवांस शिविरों का आयोजन विट्ठलेश वन चौपासनी प्रशिक्षण केंद्र पर किया गया। एक अन्य शिविर ओम बन्ना आवासीय छात्रावास मंडलनाथ में निराश्रित बच्चों का शिविर भी आयोजित हुआ। इनका सघन निरीक्षण राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य द्वारा किया गया। कार्यवाहक सहायक राज्य संगठन आयुक्त छतर सिंह पीडीयार, जिला सचिव डॉ बी एल जाखड़, सी.ओ. गाइड निशु कंवर ने इन शिविरों का अवलोकन करवाया।

शिविरार्थियों को संबोधन

संभागियों को संबोधित करते हुए निरंजन आर्य ने जोधपुर व फलोदी जिले की विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आए हुए स्काउट मास्टर्स, गाइड कैप्टन, कब मास्टर व फ्लॉक लीडर शिक्षकों से कहा कि इन शिविरों में प्राप्त प्रशिक्षण को चरित्र निर्माण के आधारभूत लक्ष्य के रूप में समाहित करते हुए विद्यार्थी तक इन चारीत्रिक मूल्यों को संप्रेषित करने का प्रयास करें, जिससे राष्ट्र के अनुशासित नागरिक के रूप में उनका निर्माण हो सके।

आर्य ने निराश्रित बच्चों से की मुलाकात

राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य ने आयोजित अनाथ बच्चों के लिए शिविर में आए संभागियों विशेषकर छोटे बच्चों से मुलाकात की और उनकी जीवनचर्या के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि पालनहार योजना के अंतर्गत उनको कौन–कौन सी सुविधाएं प्राप्त हो रही है तथा सरकार उनके कल्याण हेतु जो सुविधाएं प्रदान कर रही है उनका पूरा उपयोग किया जाए। उन्होंने छतर सिंह पीडीयार को निर्देशित किया कि इन बच्चों के छात्रावास व विद्यालय में सुविधाओं की निरंतर निगरानी रखी जाए और प्रतिवेदन सरकार को भेजे जाए।

बिम्सटेक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर लौटी प्रियंका सोलंकी का सम्मान

राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य ने प्रशिक्षण शिविरों के अवलोकन के दौरान जोधपुर जिले की सक्रिय रेंजर और गाइड लीडर प्रियंका सोलंकी, जिन्होंने हाल ही पंचमढ़ी मध्य प्रदेश में आयोजित बिम्सटेक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में राजस्थान की एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में प्रतिनिधित्व किया, का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया तथा अन्य रोवर रेंजर्स को भी राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों में भाग लेने हेतु प्रेरित किया।

राज्य कार्यकारिणी समिति सभा

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की राज्य कार्यकारिणी समिति की सभा 24 मार्च को राज्य मुख्यालय, जयपुर पर संगठन के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें स्टेट कमिश्नर श्री आर. पी.सिंह, डॉ. एस.आर.जैन, डॉ. अखिल शुक्ला, स्टेट ट्रेजरार श्री ललित वर्मा, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, संयुक्त राज्य सचिव श्री महेन्द्र सिंह राठौड, सहायक स्टेट कमिश्नर डॉ. सुषमा सिंघवी, श्री रामनिवास लटियाल, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरणसिंह शेखावत, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) श्री बन्नालाल, कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुश्री सुयश लोढा सहित 21 सदस्य उपस्थित हुए।

प्रार्थना के पश्चात् बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ हुई। राज्य सचिव डॉ. पी. सी. जैन द्वारा ने सदस्यों का शाब्दिक स्वागत किया। गत कार्यकारिणी समिति की मीटिंग का कार्यवृत पुष्टि हेतु प्रस्तुत किया गया, जिसकी समिति द्वारा पुष्टि की गई। गत कार्यकारिणी सभा की अनुपालना रिपोर्ट श्री पूरणसिंह शेखावत द्वारा बिन्दुवार प्रस्तुत की गई, जिसका अनुमोदन किया गया। वित्त समिति की बैठक का कार्यवृत श्री ललित वर्मा द्वारा ऑनलाइन जुड़कर समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसे विचार–विमर्श कर स्वीकृत किया गया। वर्ष 2026–27 का वार्षिक कार्यक्रम श्री बन्ना लालद्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। स्टेट प्लानिंग कमेटी का कार्यवृत श्री पूरणसिंह शेखावत द्वारा बिन्दुवार सदन के समक्ष प्रस्तुत किया गया । जिन ऑर्गेनाइजर्स के आवंटित लक्ष्य अभी तक पूर्ण नहीं हैं, उन्हें 100 प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश राज्य मुख्यायुक्त महोदय द्वारा दिए गए एवं प्लानिंग कमेटी कार्यवृत को स्वीकृति प्रदान की गई।

अध्यक्ष महोदय द्वारा स्काउट गाइड संगठन के विकास–विस्तार हेतु उपस्थित सम्मानीय सदस्यों से सुझाव आंमत्रित किए गए, जिन पर विचार–विमर्श कर आवश्यकतानुसार त्वरित कार्यवाही के निर्णय लिए गए। अध्यक्षीय उद्‌बोधन में श्री निरंजन आर्य, स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय ने सर्वप्रथम सभी सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों की समीक्षा कर कार्यवाही किए जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने स्काउट आवासीय विद्यालय के छात्रों द्वारा दंसवी बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि गत सत्र में जिन ऑर्गेनाइजर्स की उपलब्धियाँ कम रही हैं, उन्हें भविष्य में शत–प्रतिशत उपलब्धियाँ अर्जित किए जाने हेतु निर्देशित किया जावे। राज्य संगठन/प्रशिक्षण आयुक्त द्वारा प्रभावी मॉनीटरिंग की जावे।

अन्त में सभी सम्मानित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगान के साथ सभा की कार्यवाही समाप्त की गई।

सी.एस.आर. फण्ड से राशि स्वीकृत

राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय जगतपुरा जयपुर हेतु राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन के प्रयास से रीको, जयपुर द्वारा सी.एस.आर. फण्ड से 10 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसका एम. ओ.यू. दिनांक 17 फरवरी 2026 को राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं उप महाप्रबन्धक, रीको श्री अतुल शर्मा के मध्य हुआ।

रीको द्वारा स्वीकृत राशि से राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थी स्काउट्स हेतु स्टडी टेबल, कुर्सियां, अलमारी, वाटर कूल एवं सी.सी. टी.वी. कैमरा इत्यादि सामग्री क्रय की जायेगी। इससे छात्रों को अपनी पढ़ाई एवं आवास में काफी सुविधा होगी।

यूथ कल्चरल प्रोग्राम

राजस्थान से एक रेंजर प्रियंका सोलंकी जो वर्तमान में संत श्री देवाराम पब्लिक सी सै स्कूल में कार्यरत है, ने भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में दिनांक 17 से 23 मार्च 26 तक मध्यप्रदेश में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधि The Bimstec Youth Cultural Heritage And Sustainability Immersion Program–2026 में प्रदेश व देश का प्रतिनिधित्व किया।

इस प्रोग्राम में बांग्लादेश, भूटान, इंडिया, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाइलैंड से संभागियों ने भाग लिया तथा भारत के 20 रोवर रेंजर ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में संभागियों को भारत की संस्कृति व धरोहर को जानने का मौका मिला। भोपाल में स्थित मिंटो हॉल में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें राज्यपाल श्रीयुत मंगू भाई पटेल ने कार्यक्रम में समस्त देश से पधारे हुए प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शाम के समय मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रतिभागियों का विशेष स्वागत करते हुए मध्यप्रदेश की विशेषताएं बताई और सभी प्रतिभागियों को अनुशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए। रात्रि भोज की विशेष व्यवस्था की गई व पचमढ़ी हिल स्टेशन में एडवेंचर गतिविधियों का आयोजन किया गया।

गोल्डन एरो अवार्ड एवं कब-बुलबुल उत्सव 2026

राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और प्रतिभा का भव्य संगम

भारत स्काउट एवं गाइड के तत्वावधान में पाँच दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय गोल्डन एरो अवार्ड एवं कब-बुलबुल उत्सव 2026 नेशनल यूथ कॉम्प्लेक्स, गदपुरी (हरियाणा) पर 19 फरवरी से 23 फरवरी 2026 तक आयोजित हुआ, जिसने देशभर से आए नन्हे कब एवं बुलबुल प्रतिभागियों को एक मंच पर एकत्रित कर उनकी प्रतिभा, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

इस आयोजन में कुल 323 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो 11 राज्यों एवं संस्थानों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। कार्यक्रम का संचालन लीडर ऑफ द कोर्स शिवांगी सक्सेना के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय सहभागिता का सशक्त उदाहरण

उत्सव में देश के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें ईस्टर्न रेलवे, गुजरात, हरियाणा, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, साउथ रेलवे, तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश शामिल रहे।

सभी राज्यों के बच्चों ने अपनी सांस्कृतिक विविधता के साथ "एक भारत – श्रेष्ठ भारत" की भावना को साकार किया। इसमें स्टाफ सदस्य महाबीर बागोरिया (हरियाणा), विजेंदर कुमार (हरियाणा), अजय सिंह भाटी (हरियाणा), शंकर यादव (महाराष्ट्र), संतोष कुमार, पवन कुमार, अंकुर कुमार (के. वी.एस.), सरस्वती गिरिया, संगीता रक्षित (प.बंगाल), संजू शंखवार (उत्तर प्रदेश), मिथिला (तमिलनाडु), कल्पना सिंह (छत्तीसगढ़) ने हरसंभव सहयोग किया।

प्रथम दिवसः उत्साहपूर्ण आरंभ (19 फरवरी 2026)

कार्यक्रम का शुभारंभ पंजीकरण प्रक्रिया से हुआ, जिसके पश्चात ध्वजारोहण एवं इंटीग्रेशन सेशन आयोजित किया गया।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री कुलदीप सिंह यादव (ए. पलवल) रहे। उन्होंने बच्चों को अनुशासन, सेवा और नेतृत्व के मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

पहले दिन का समापन नई मित्रताओं और उत्साह के साथ हुआ।

द्वितीय दिवसः रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन (20 फरवरी 2026)

दूसरे दिन की शुरुआत शारीरिक व्यायाम से हुई, जिसने प्रतिभागियों में ऊर्जा और अनुशासन का संचार किया।

दिनभर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिनमें समूह नृत्य, जंगल डांस, तारा स्टोरी, ड्राइंग-पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग एवं पेपर कटिंग प्रमुख रहे। बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता, कला और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया।

तृतीय दिवसः सांस्कृतिक रंग और उत्सव (21 फरवरी 2026)

तीसरे दिन की शुरुआत एरोबिक्स से हुई। इसके पश्चात "टपससंहम थ्यत" विषय पर नाट्य प्रस्तुति तथा समूह गान प्रतियोगिता आयोजित की गई।

सायंकालीन कैम्प फायर इस दिन का मुख्य आकर्षण रहा, जहाँ रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को उल्लासमय बना दिया।

चतुर्थ दिवसः सम्मान और गौरव का क्षण (22 फरवरी 2026)

चौथे दिन योग सत्र के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इसके बाद विभिन्न राज्यों द्वारा स्टेट एग्जीबिशन प्रस्तुत की गई।

इस दिन का सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण गोल्डन एरो अवार्ड समारोह रहा, जिसमें विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही-

केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम, भारत स्काउट एवं गाइड के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार जैन, नेशनल चीफ कमिश्नर डॉ. के. के. खंडेलवाल

इस अवसर पर विश्व थिंकिंग डे की 100वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विशेष सम्मान भी प्रदान किए गए। रात्रि में भव्य ग्रैंड कैम्प फायर का आयोजन हुआ।

पंचम दिवसः भावनात्मक समापन (23 फरवरी 2026)

अंतिम दिन सर्वधर्म प्रार्थना से आरंभ हुआ, जो एकता और भाईचारे का प्रतीक रहा। समापन समारोह में प्रतिभागियों को

प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। फ्लैग लोवरिंग सेरेमनी के साथ कार्यक्रम का भावनात्मक समापन हुआ।

विशेष व्यवस्थाएँ

आयोजन के दौरान बच्चों के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएँ की गईं। प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के नाश्ते एवं खाद्य पदार्थ जैसे पोहा, पास्ता, चाउमीन, आइसक्रीम एवं चॉकलेट उपलब्ध कराए गए। साथ ही सभी प्रतिभागियों को निःशुल्क साहित्य भी वितरित किया गया।

अजमेर का उत्कृष्ट प्रदर्शन

अजमेर जिले ने इस राष्ट्रीय आयोजन में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। सी.ओ. स्काउट नरेंद्र खोरवाल के अनुसार, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, चाचियावास के कब–बुलबुल ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

यूनिट लीडर अक्षय कुमार परिहार एवं फ्लॉक लीडर संध्या मिश्रा के नेतृत्व में प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। विशेष उपलब्धि के रूप में अजमेर से 47 कब एवं 46 बुलबुल को नेशनल (गोल्डन एरो) अवार्ड से सम्मानित किया गया।

इस सफलता पर विभिन्न पदाधिकारियों– विनोद दत्त जोशी, सत्यनारायण वैष्णव, राजेन्द्र सारस्वत, अमित शर्मा, बालमुकुंद माहेश्वरी एवं प्रधानाचार्य राजीव कुमार मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

गोल्डन एरो अवार्ड एवं कब–बुलबुल उत्सव 2026 केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, सेवा और राष्ट्रीय एकता का जीवंत उदाहरण रहा। इस उत्सव ने बच्चों में आत्मविश्वास, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ किया। वास्तव में, यह आयोजन "एकता में शक्ति" के संदेश को साकार करने वाला एक प्रेरणादायक मंच सिद्ध हुआ।

इंटरनेशनल एडवेंचर प्रोग्राम

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में दिनांक 02 फरवरी से 06 फरवरी 2026 तक नेशनल एडवेंचर इंस्टिट्यूट पंचमढ़ी (मध्यप्रदेश) पर इंटरनेशनल एडवेंचर प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

इस प्रोग्राम में श्रीलंका से 7 तथा भारत के राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से 158 सदस्यों ने सहभागिता की।

वाईएलएसीसी प्रोजेक्ट के अंतर्गत राजस्थान से 21 सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें झुंझुनू जिले से सहायक लीडर ट्रेनर विजय कुमार गर्वा, स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय खेतड़ी (झुंझुनू) के सीनियर रोवर मेट हर्ष सैनी और रोवर महिपाल ने भाग लिया।

इंटरनेशनल एडवेंचर प्रोग्राम में गन शूटिंग, आर्चरी, पत्थरचट्टा ट्रैकिंग, बंसी बिहार ट्रैकिंग, रॉक क्लाइंमिंग, रैपलिंग, जेट स्काई, पैरासेलिंग, साइकलिंग, जिपलाइन, मंकी क्रोलिंग जैसी गतिविधियां आयोजित हुई। सभी गतिविधियों में राजस्थान के संभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

शिविर के दौरान सभी संभागियों को गुप्तेश्वर महादेव, जटाशंकर महादेव, राजेंद्र गिरी, पांडव केव, राजेंद्र गिरी आदि दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करवाया गया।

झुंझुनू जिले से सहभागिता करने वाले तीनों संभागियों का झुंझुनू आगमन पर सी.ओ. स्काउट महेश कालावत के नेतृत्व में स्वागत अभिनंदन किया गया।

राज्य स्तरीय रोवर–रेंजर डेजर्ट ट्रेकिंग शिविर

स्थान: जैसलमेर, राजस्थान - 24 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026

राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड, राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में राज्य स्तरीय रोवर–रेंजर डेजर्ट ट्रेकिंग शिविर का आयोजन दिनांक 24 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक जिला जैसलमेर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह शिविर राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन तथा राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरण सिंह शेखावत के निर्देशन में आयोजित हुआ।

शिविर में राजस्थान के 27 जिलों से कुल 174 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें 82 रोवर, 66 रेंजर, 16 लीडर तथा 10 सदस्यीय संचालक दल शामिल थे। सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ शिविर की गतिविधियों में भाग लिया।

शिविर प्रारम्भ होने से पूर्व 23 फरवरी 2026 को शिविर प्रभारी श्री पूरण सिंह शेखावत द्वारा शिविर स्थल का निरीक्षण किया गया। उन्होंने शिविर में की गई व्यवस्थाओं जैसे आवास, भोजन, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा एवं यातायात आदि का अवलोकन कर संचालक दल को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए।

शिविर का उद्देश्य-

डेजर्ट ट्रेकिंग शिविर के आयोजन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित थे –

- रोवर–रेंजर को मरुस्थलीय क्षेत्र की प्राकृतिक परिस्थितियों से परिचित कराना।
- साहसिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं में आत्मविश्वास और साहस का विकास करना।
- पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना।
- ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थलों के महत्व से परिचित कराना।
- युवाओं में देशभक्ति, सेवा भावना और राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करना।
- समूह में कार्य करने और नेतृत्व क्षमता विकसित करना।

शिविर की व्यवस्थाएँ

शिविर के सफल संचालन के लिए संचालक दल द्वारा विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाएँ की गईं। प्रतिभागियों के लिए उचित आवास, स्वच्छ पेयजल, पौष्टिक भोजन तथा चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था की गई। शिविर स्थल पर पंजीकरण काउंटर, सूचना बोर्ड, चिकित्सा सहायता केंद्र तथा भोजनालय की व्यवस्था की गई।

शिविर में अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रतिभागियों को विभिन्न समूहों में विभाजित किया गया। प्रत्येक समूह के लिए रोवर मेट और रेंजर मेट नियुक्त किए गए। शिविर के नियम, कार्यक्रम, सुरक्षा निर्देश तथा ट्रेकिंग से संबंधित आवश्यक जानकारी सभी प्रतिभागियों को दी गई।

प्रथम दिवस (24 फरवरी 2026)

शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का आगमन 23 फरवरी की रात्रि से ही प्रारम्भ हो गया था। पंजीकरण की प्रक्रिया सी.ओ. स्काउट महेश कालावत, भाविक सुथार एवं सी.ओ. गाइड कल्पना शर्मा के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। पंजीकरण के बाद सभी प्रतिभागियों को आवास की सुविधा प्रदान की गई।

24 फरवरी को ध्वजारोहण के साथ शिविर का औपचारिक शुभारम्भ हुआ। इसके बाद शिविर प्रभारी द्वारा सभी प्रतिभागियों को शिविर के नियम, दैनिक कार्यक्रम, सुरक्षा उपाय तथा ट्रेकिंग से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए गए।

दोपहर के भोजन के बाद प्रतिभागियों को गजरूप सागर एवं माताजी मंदिर तक छोटी ट्रेकिंग के लिए भेजा गया। इस गतिविधि के माध्यम से प्रतिभागियों को मरुस्थलीय क्षेत्र में ट्रेकिंग

का प्रारंभिक अनुभव प्राप्त हुआ।

रात्रि में भोजन के पश्चात कैम्प फायर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें रोवर रेंजर द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। लोकनृत्य, गीत और नाटक जैसी प्रस्तुतियों ने सभी प्रतिभागियों का मन मोह लिया।

द्वितीय दिवस (25 फरवरी 2026)

दूसरे दिन प्रातः अल्पाहार के बाद प्रतिभागियों को जैसलमेर किले का भ्रमण कराया गया। यह किला अपनी अद्भुत स्थापत्य कला और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। किले के भीतर बसा शहर, संकरी गलियाँ, मंदिर और भवन प्रतिभागियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने जैन मंदिर, राजदरबार, लक्ष्मीनारायण मंदिर तथा सिटी व्यू पॉइंट का भी अवलोकन किया।

इसके बाद राज्य संगठन आयुक्त श्री पूरण सिंह शेखावत द्वारा स्वच्छता चेतना रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रैली किले से बाजार मार्ग होते हुए पटवा हवेली तक निकाली गई।

पटवा हवेली की भव्य कलाकृतियाँ और स्थापत्य कला प्रतिभागियों को अत्यंत आकर्षक लगी। इसके पश्चात प्रतिभागियों ने कठपुतली शो देखा जिसमें राजस्थान की लोक संस्कृति और इतिहास को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया।

इसके बाद सभी प्रतिभागी गढ़ीसर झील पहुँचे जहाँ उन्होंने प्राकृतिक वातावरण का आनंद लिया। प्रतिभागियों ने झील में मछलियों को दाना खिलाया तथा नौकायन का आनंद लिया। रात्रि में पुनः कैम्प फायर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं।

तृतीय दिवस(26 फरवरी 2026)

तीसरे दिन प्रातः योग, व्यायाम और प्राणायाम से दिन की शुरुआत हुई। इसके बाद अल्पाहार कर सभी प्रतिभागियों को बसों द्वारा विभिन्न ऐतिहासिक और सामरिक स्थलों के भ्रमण के लिए भेजा गया।

सबसे पहले प्रतिभागियों ने घंटियाली माता मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद वे तनोट माता मंदिर पहुँचे, जो भारत–पाक युद्ध 1965 से जुड़ी एक महत्वपूर्ण धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल है। यहाँ प्रतिभागियों ने मंदिर परिसर में सुरक्षित रखे गए बम और गोले देखे जो युद्ध के समय गिरे थे। मंदिर की पूजा और प्रबंधन की जिम्मेदारी बीएसएफ के जवानों द्वारा निभाई जाती है।

इसके बाद प्रतिभागियों ने भारत–पाक सीमा का अवलोकन किया और सीमा पर तैनात सैनिकों से बातचीत कर देश की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की।

इसके पश्चात सभी लोंगेवाला पोस्ट पहुँचे जहाँ 1965 के

जैसलमेर किले में उपस्थित रोवर रेंजर एवं पदाधिकारी का ग्रुप फोटो

भारत–पाक युद्ध में भारतीय सेना की वीरता की कहानी संग्रहालय और प्रदर्शनी के माध्यम से दिखाई गई। यहाँ भारतीय तिरंगे को सलामी देकर प्रतिभागियों ने देशभक्ति की भावना का अनुभव किया।

चतुर्थ दिवस (27 फरवरी 2026)

चौथे दिन प्रातःकाल योग और व्यायाम के बाद प्रतिभागियों ने स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने शिविर स्थल तथा आसपास के क्षेत्र में सफाई कर स्वच्छता और प्लास्टिक उन्मूलन का संदेश दिया।

इसके बाद प्रतिभागियों को आठ–आठ के समूह में विभाजित कर कुलधरा तक ट्रेकिंग के लिए रवाना किया गया। कुलधरा एक ऐतिहासिक गाँव है जिसे पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा वर्षों पहले छोड़ दिया गया था।

ट्रेकिंग के दौरान प्रतिभागियों ने प्रकृति के सुंदर दृश्यों का आनंद लिया तथा जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझा।

दोपहर में प्रतिभागियों ने उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर बिना बर्तनों के भोजन तैयार किया। विभिन्न समूहों ने अलग–अलग व्यंजन बनाकर सामूहिक रूप से भोजन का आनंद लिया।

इसके बाद सभी प्रतिभागी सम के रेत के धोरों पहुँचे जहाँ उन्होंने ट्रेकिंग, खेल–कूद और ऊँट सफारी का आनंद लिया। सूर्यास्त का दृश्य अत्यंत मनमोहक था।

रात्रि में के.के. डेजर्ट रिसोर्ट में सभी प्रतिभागियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। यहाँ भव्य कैम्प फायर और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को अपने जीवन में सादगी, सत्य और सेवा की भावना को अपनाना चाहिए।

अंतिम दिवस (28 फरवरी 2026)

शिविर के अंतिम दिन प्रातः सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई। इसके बाद सम के धोरों में ध्वजारोहण किया गया और सभी प्रतिभागियों ने समूह फोटोग्राफी की।

समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विदाई के समय रोवर रेंजर द्वारा भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से वातावरण गुंजायमान हो गया। सभी प्रतिभागी शिविर की मधुर स्मृतियों को अपने साथ लेकर अपने–अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

राज्य स्तरीय रोवर रेंजर डेजर्ट ट्रेकिंग शिविर जैसलमेर का आयोजन अत्यंत सफल और प्रेरणादायक रहा। इस शिविर के माध्यम से प्रतिभागियों को साहसिक गतिविधियों, मरुस्थलीय जीवन, पर्यावरण संरक्षण तथा ऐतिहासिक स्थलों के महत्व के बारे में महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त हुआ।

इस प्रकार के शिविर युवाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, आत्मविश्वास और सहयोग की भावना विकसित करते हैं। साथ ही यह उन्हें राष्ट्र सेवा और देशभक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

यह शिविर सभी प्रतिभागियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा जिसकी स्मृतियाँ उनके जीवन में सदैव प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी।

हिमालय वुड बैज कोर्स : एक अद्वितीय अनुभव

श्यामसुन्दर गुप्ता स्काउट मास्टर
न्यू हैप्पी पब्लिक सैकण्डरी स्कूल, रामगंजमंडी (जिला-कोटा)

कहा जाता है–

मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है।
गुण बड़े एक से एक प्रखर, हैं छिपे मानवों के भीतर।।

इस शिविर में हमने हमारे उन्हीं गुणों को जाना और ये सीखा कि वास्तव में बच्चा बनकर बच्चों की तरह रहना कितना अच्छा लगता है। हिमालय वुड बैज की योग्यता लेने की प्रेरणा मुझे मिली हमारे कोटा मण्डल के सहा. राज्य संगठन आयुक्त श्री दिलीप कुमार माथुर, जिला ट्रेनिंग कमिश्नर श्री गोपाल कृष्ण मिश्रा और सीओ स्काउट श्री बृजसुन्दर मीणा से। जिन्होंने बेसिक कोर्स करते ही मुझे एक अच्छा लीडर बनने के लिए प्रेरित करते हुए वुड बैज के सपने दिखाने शुरू कर दिए थे। इस वुड बैज तक की यात्रा में मुझे विशेष सहयोग रहा हमारे पूर्व प्रधानाचार्य श्री विनोद कु. वर्मा, स्थानीय संघ सचिव श्री दयाल सिंह, जिले के रोवर लीडर श्री रूपचन्द शर्मा का, जिन्होंने सभी आवश्यकताएँ पूरी करते हुए मुझे सतत रूप से कार्य करने को प्रेरित किया।

शिविर का सर्कुलर आते ही जहाँ एक ओर योग्यता वृद्धि के ख्वाब मस्तिष्क में सजने लगे थे तो वहीं दूसरी ओर काफी दिनों बाद बच्चा बनकर कैम्पिंग करने का रोमांच भी मन में हिलोरे मार रहा था। कुछ उम्मीदें थी नया सीखने की। जिस अनुसार बताया गया था कि यूनिट लीडर के रूप में सबसे बड़ी योग्यता आप ग्रहण करने जा रहे हैं उसी अनुरूप नए अनुभवों की अभिलाषाओं के साथ कुछ उम्मीदों को मन में लिए हम शिविर स्थल पहुँचे।

दैनिक दिनचर्या के अनुसार प्रथम दिवस कैम्पस विजिट के बाद हमारा दैनिक प्रशिक्षण सुचारू रूप से चल रहा था। इस शिविर के दौरान मैंने कई नई चीजें सीखी। शिविर में राज्य मुख्यायुक्त महोदय और राज्य प्रशिक्षण आयुक्त महोदय की विजिट के दौरान उनके प्रेरणादायी विचारों से काफी प्रभावित हुए। प्रशिक्षण इतना अच्छा रहा कि कब सात दिन निकल गए कुछ पता ही नहीं चला। वहाँ दिए गए टास्क, असाइनमेंट, रात्रि हाइक, मनोरंजनात्मक गतिविधियों के साथ शिविर संचालक श्री रघुवीर सिंह तथा श्री शैलेष पलोड़ के मार्गदर्शन ने शिविर को अविस्मरणीय बना दिया।

जाने का एक उद्देश्य ये भी था कि मैं एक दिल लेकर जा रहा हूँ और वहाँ से सैकड़ों दिलों में जगह बनाकर आना है। काफी हद तक मैं मेरे उस उद्देश्य की पूर्ति में सफल रहा और इसका अनुभव वहाँ से वापस आते समय समस्त गुरुजनों तथा संभागियों द्वारा दिए गए प्यार और आशीर्वाद से हुआ। शिविर में इतना अपनापन प्राप्त हुआ कि लगा ही नहीं मैं इस शिविर का सबसे छोटा संभागी हूँ। इन्हीं अच्छे और कभी ना भूले जा सकने वाले अनुभवों के साथ यह शिविर सम्पन्न हुआ, जिसके अनुभव साझा करने के लिए मैंने मेरे मन के भावों को एक कविता के शब्दों के रूप में संजोने का प्रयास किया–

नवम्बर में एडवांस किया अब थी वुड बैज की बारी
कोर्स का सर्कुलर आते ही तमन्ना पूरी हुई हमारी
सिलेक्शन लिस्ट में नाम पाते ही पूरी हो गई आस
और हमने शुरू किये कैम्प में घुसपैठ के प्रयास
बलराज जी सर और यादराम जी सर से सम्पर्क साधा
उनकी बातें सुन कर मन का संकोच रह गया आधा
सूत्रों से यों पता चला की आयेंगे दो किंग
एक हमारे शैलेष सर तो दूसरे आदरणीय रघुवीर सिंह

रघुवीर जी सर पढ़ाते हैं देते अनमोल ज्ञान
शैलेष जी सर जब सेशन लेते शरीर में आती जान
अन्दर घुसते ही एक घटना ने मन की बैचेनी बढ़ाई
सबसे पहले बलराज जी सर ने ही छाती पर बन्दूक चलाई
पास में राकेश सर बैठे थे देख रहे थे मैच
और साथ में खुलवा रहे थे हम सबकी शर्ट के बैज
कैम्पस में हम आये और किया कुछ विश्राम
कुछ ही देर में मिल गया कैदी नंबर और नाम

शाम को हमने कैम्पस टूर में किया मदन जी सर को चेज
और रात को शेख सर से पढ़ा हिस्ट्री ऑफ वुड बैज
अगली सुबह हम नहा धोकर तैयार खड़े थे
और जगदीश जी सर इतनी ठण्ड में भी,
बीपी सिक्स का सेशन लेने पर अड़े थे
दिन में हमने मॉडल टेन्ट, फायर बेस और
होल्ड फास्ट का भ्रमण किया
शाम को भँवर जी सर की मैपिंग की क्लास ने
सभी का दिल जीत लिया

तीसरे दिन हमारे बीच चीफ कमिश्नर पधारे
उनकी राह तकते – तकते यहीं सो गए सारे
आखिरकार वो शुभ बेला आई
जब कमिश्नर साहब की कार नजर आई
उनके स्वागत में हमने डांस किया,
गीत गाया, पलक पावडे बिछाये
उनकी बातों से उत्साहित होकर
पहाड़ चढ़ने को लालायित नजर आये

पर तभी हमारे साथ शाम को हुआ बड़ा स्कैम
कहा गया कि 5 मिनट में छोड़ दो अपना कैम्प
हम भी कहाँ थे कम, निकाला बैग और रख लिया सामान
लग रहा था पुष्कर घूमने के पूरे होने जा रहे अरमान
पता नहीं था कहाँ है जाना
जल्दी पहुँचो जल्दी आना
जंगल घूमे, पैर भी दुःखे, अनगिन धक्के खाए
सबसे पहले पहुँचे बैजनाथ, बोलो ओम् नमः शिवाय
रात को वहीं हमने लिया प्रभु का नाम
और उस दिन शाम को किया वहीं विश्राम

अगले दिन सेन्टर पहुँचकर फर्स्ट ऐड को जाना
और अभी ही शाम को ग्रुप प्रोजेक्ट था बनाना
इस कैम्प में हमने सीखी बातें सारी नई – नई
पर सबसे ज्यादा याद रहा, साथ दो – ज्ञान नहीं
रात को दीपेश सर ने दिया बैकवुड्समैन कुकिंग का ज्ञान
नरेन्द्र सर रख रहे थे हमारी सभी सुविधाओं का ध्यान
सवाई सर, राजमल सर, रोशन सर से कुछ नई गाँठे सीखी
शाम को सीखी अवलोकन से निष्कर्ष निकालने की रीति
घटना स्थल पर एफएसएल टीम ने किया संधान
सभी लगा रहे थे अपना – अपना अनुमान
स्टार गेजिंग, वोज्म, पीएम शील्ड को जाना
अगले दिन रेस्पेक्टेड एसटीसी सर को था आना
एसटीसी सर की विजिट के बाद हुआ गुरुजनों का सम्मान
लग रहा था जैसे सुखद सुबह की होने जा रही शाम

विशाल कैम्प फायर के अगले दिन हुआ
सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन
अंतिम वार्ता में कैम्प खत्म होने की बात से
नहीं लग रहा था किसी का मन
जब घर जाने की बारी आई तो
कैम्प लग रहा था सबको धाँसू
और हर किसी की आँख से
निकले जा रहे थे खुशी के आँसू.....!!!

राज्य स्तरीय स्काउट ट्रेनर्स मीट

राजेन्द्र कुमार लिम्बा
ट्रेनिंग काउन्सलर, जोधपुर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में जिला मुख्यालय नजर बगीची, अलवर में दिनांक 26 से 28 फरवरी 2026 तक राज्य स्तरीय ट्रेनर्स मीट का आयोजन किया गया। जोधपुर मण्डल के सहायक राज्य संगठन आयुक्त छतर सिंह पीडीयार ने बताया कि इस कार्यक्रम में संपूर्ण राज्य से स्काउटिंग के असिस्टेंट लीडर ट्रेनर (ए एल टी) और लीडर ट्रेनर (एल टी) योग्यताधारी रिसोर्स पर्सन एकत्रित हुए। जोधपुर जिले से ट्रेनिंग काउन्सलर राजेन्द्र कुमार लिम्बा ने इस राज्य स्तरीय ट्रेनर्स मीट में अपनी सक्रिय सहभागिता कर जोधपुर संभाग का प्रतिनिधित्व किया है। स्काउटिंग ट्रेनर के रूप में उच्चतर योग्यता अर्जित करने पर उन्हें स्टेट ट्रेनिंग कमिश्नर (स्काउट) बन्ना लाल द्वारा 3 बीड्स और सुयश लोढ़ा द्वारा स्कॉर्फ पहना कर अभिनन्दन किया गया।

इस ट्रेनर्स मीट में नई शिक्षा नीति के अनुसार विद्यार्थियों के लिए स्काउटिंग पाठ्यक्रम में बदलाव, अध्यनरत कक्षा के अनुसार नए स्काउटिंग सेक्शन का वर्गीकरण, प्रगति सोपानों के नाम परिवर्तन, स्काउट यूनिफॉर्म बैज में आंशिक बदलाव और स्कीम आफ ट्रेनिंग (एस ओ टी) में हुए संशोधनों पर अद्यतन जानकारी देते हुए विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। संभागियों को ट्रेनर्स के दायित्व, क्वालिटी ट्रेनिंग, ट्रेनिंग एडमिनिस्ट्रेशन, माइक्रो टीचिंग, बैक डेटिंग, क्वाड्रनल रिपोर्ट, कैंप रिपोर्ट आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया गया।

नेशनल ट्रेनिंग सेंटर पचमढ़ी व राष्ट्रीय मुख्यालय दिल्ली द्वारा सत्र 2026–27 आयोजित होने वाले वार्षिक कार्यक्रमों की जानकारी भी दी गई।

संभागियों को अलवर के स्थानीय ऐतिहासिक व धार्मिक पर्यटन स्थलों – सरिस्का अभयारण्य, भक्त श्री भृतहरि मन्दिर, पाण्डुपोल, कम्पनी बाग (शिमला), अलवर का भी भ्रमण करवाया गया। जोधपुर मण्डल के ग्रुप लीडर जया पुरोहित और समस्त स्काउट गाइड परिवार जोधपुर ने ट्रेनर राजेन्द्र कुमार लिम्बा द्वारा जोधपुर संभाग का प्रतिनिधित्व करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इनकी उच्चतर स्काउटिंग योग्यता से अधिकाधिक विद्यार्थी और अध्यापक सह शैक्षणिक प्रवृत्ति के रूप में स्काउटिंग से जुड़कर लाभान्वित हो सकेंगे तथा स्वच्छ पर्यावरण व स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए सजग सुनागरिक के रूप में वयस्क लीडर और विद्यार्थी स्वयंसेवक तैयार हो सकेंगे।

स्काउटिंग: पर्यावरण संरक्षण प्रेरणा का सशक्त माध्यम

स्काउट मास्टर पवन कुमार
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्री रामपुरा, बाप, जिला फलोदी

स्काउटिंग विश्व के 216 देशों और उपनिवेशों में फैला सबसे बड़ा वर्दीधारी युवा आंदोलन है। जो सदा समय और आवश्यकता के अनुरूप अपने आपको उन्नत करता रहता है। यह विश्व व देश की आवश्यकताओं व अपेक्षाओं को पूर्ण करता है।

आज पर्यावरण संरक्षण केवल एक विचार या आंदोलन नहीं बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व से जुड़ा हुआ अनिवार्य दायित्व बन चुका है। जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, जल संकट, प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, मानव जीवन के समक्ष गंभीर चुनौती के रूप में उपस्थित है। स्काउट आंदोलन इन आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाला एक प्रभावी और व्यावहारिक मंच है। स्काउटिंग की दक्षता बैज प्रणाली व प्रगतिशील प्रशिक्षण योजना युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति न केवल जागरूक बनाती है, बल्कि समाज और देश के लिए उपयोगी कार्यकर्ता के रूप में विकसित भी करती है।

स्काउटिंग और पर्यावरण चेतना-

स्काउटिंग का मूल उद्देश्य 'अच्छे नागरिक का निर्माण' है। स्काउटिंग की प्रतिज्ञा और नियमों में निहित सेवा, प्रकृति प्रेम, और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना पर्यावरण संरक्षण की अवधारणा से सीधी जुड़ी हुई है। स्काउटिंग प्रकृति को केवल अध्ययन की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न अंग मानती है। शिविर, हाइक, ट्रैकिंग और आउटडोर गतिविधियों के माध्यम से युवा प्रकृति के निकट आते हैं और उनके संरक्षण की आवश्यकता को स्वयं के अनुभव के स्तर पर समझते हैं।

स्काउट दक्षता बैज: सीखने से करने तक की यात्रा-

स्काउटिंग की दक्षता बैज प्रणाली इसकी सबसे बड़ी प्रभावशाली विशेषताओं में से एक है यह प्रणाली युवाओं की रुचि, क्षमता, और सामाजिक आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान करने का अवसर प्रदान करती है। पर्यावरण संरक्षण से संबंधित अनेक दक्षता बैज युवाओं को विशेष रूप से प्रशिक्षित करते हैं जैसे पर्यावरण संरक्षण बैज, वृक्ष मित्र बैज, जल संरक्षण बैज, स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन बैज, प्रकृति अध्ययन व जैव विविधता बैज और आपदा प्रबंधन बैज आदि।

इन बैजों को प्राप्त करने के लिए स्काउट–गाइड को केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं, बल्कि व्यावहारिक कार्य परियोजनाएं, और सेवा कार्य करने होते हैं। यह प्रक्रिया युवाओं को वास्तविक रूप में उपयोगी बनती है।

स्काउटिंग की प्रशिक्षण योजना: व्यावहारिक अनुभव पर आधारित-

स्काउटिंग की प्रशिक्षण योजना 'करते हुए सीखना' के सिद्धांत पर आधारित है जैसे –पौधारोपण, जल स्रोतों का अध्ययन, वर्षा जल संचयन, प्लास्टिक मुक्त अभियान, स्वच्छता और कचरा प्रबंधन, पर्यावरण जागरूकता रैली जैसी गतिविधियों द्वारा युवा केवल नारा नहीं बल्कि व्यावहारिक जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करते हैं।

युवा में नेतृत्व और उत्तरदायित्व का विकास-

स्काउटिंग के दक्षता बैज और प्रशिक्षण कार्यक्रम युवा में नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। जब कोई स्काउट पर्यावरण अभियान का नेतृत्व करता है तो वह योजना बनाना, अपनी टीम का मार्गदर्शन करना और समाज से संवाद करना सीखता है। यह प्रशिक्षण प्रक्रिया युवाओं को आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनाती है। आगे चलकर यही युवा पर्यावरण से जुड़े सरकारी, गैर सरकारी एवं सामाजिक संगठनों में प्रभावी नेतृत्व की भूमिका निभाते हैं।

राष्ट्र निर्माण और सतत विकास-

पर्यावरण संरक्षण सीधे तौर पर राष्ट्र के सतत विकास से जुड़ा हुआ है। स्वच्छ जल, हरित वातावरण और जैविक विविधता के बिना आर्थिक और सामाजिक विकास संभव नहीं है। स्काउटिंग युवाओं को सतत विकास लक्ष्यों से जोड़ते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सहभागी बनाती है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित युवा भविष्य के नीति निर्माता, प्रशासक, वैज्ञानिक और सामाजिक नेता बनते हैं।

आपदा प्रबंधन और पर्यावरण संतुलन-

आज प्राकृतिक आपदाएं भी पर्यावरण असुंतलन का ही परिणाम है। स्काउटिंग में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण योजना युवाओं को बाढ़, सूखा, भूकंप और अन्य आपदाओं के समय समाज की सहायता के लिए तैयार करती है। यह प्रशिक्षण युवाओं को पर्यावरण संरक्षण और मानव सुरक्षा के बीच गहरे संबंध को समझने में सहायक होता है।

मूल्य शिक्षा और पर्यावरण नैतिकता-

स्काउटिंग केवल तकनीकी प्रशिक्षण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं में पर्यावरण नैतिकता का विकास भी करती है। प्रकृति के प्रति सम्मान, संसाधनों का विवेक पूर्ण उपयोग और भावी पीढ़ियां के प्रति उत्तरदायित्व की भावना स्काउटिंग के माध्यम से गहराई से विकसित होती है।

निष्कर्ष रूप में हम कह सकते हैं कि स्काउटिंग के दक्षता बैज व प्रगतिशील प्रशिक्षण योजना पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में युवाओं को प्रेरित करने का एक अत्यंत प्रभावशाली, सशक्त और व्यावहारिक माध्यम है वर्तमान पर्यावरण चुनौतियों के समाधान में स्काउट आंदोलन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और भविष्य में यह और भी अधिक प्रासंगिक सिद्ध होगा।

गतिविधि दर्पण

मण्डल, जिला, स्थानीय संघ एवं यूनिट स्तर पर की गई गतिविधियों, शिविरों, रैलियों इत्यादि का संक्षिप्त विवरण

अजमेर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में 19 से 23 फरवरी तक राष्ट्रीय यूथ कॉम्प्लेक्स गदपुरी हरियाणा में नेशनल लेवल गोल्डन एरो अवार्ड रैली एवं कब बुलबुल उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें अजमेर के माहेश्वरी पब्लिक स्कूल चाचियावास के कब बुलबुल राष्ट्रीय

स्तर पर चयनित एवं सम्मानित हुए। यूनिट लीडर अक्षय कुमार परिहार व फ्लॉक लीडर संध्या मिश्रा के नेतृत्व में स्कूल के 11 कब व तीन बुलबुल ने सहभागिता की व नेशनल अवार्ड से सम्मानित हुए। इस अवार्ड रैली में कई कार्यक्रम आयोजित हूए जिसमें कब बुलबुल अभिवादन, चित्रकारी और कागज काटना, तारा की कहानी और जंगल नृत्य, लोक गीत और नृत्य, कहानी सुनाना, नाटक और अभिनय, शिक्षा मेला और बाल मेला, प्रदर्शनी इत्यादि। माहेश्वरी पब्लिक स्कूल चाचियावास के कब बुलबुल ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

भरतपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली के तत्वावधान में शहीद दिवस के अवसर पर शहीदों को याद करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए एवं मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रतिवर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है। इस दिन शहीदों के योगदान को याद कर उनके बलिदान के लिए श्रद्धासुमन अर्पित किए जाते हैं। सी.ओ. स्काउट ने बताया कि इस दिन शहीद भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव ने देश की खातिर फांसी के फंदे को हंसते–हंसते अपने गले में लगा लिया। देश की खातिर अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

सचिव स्थानीय संघ मुकेश कुमार सारस्वत ने बताया कि शहीद दिवस के अवसर पर पुरानी नगर पालिका पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें एडवोकेट नगेंद्र व्यास, समाज सेवी एवं एडवोकेट उधो सिंह, स्काउट

मास्टर गणेश चंद शर्मा, रामपति अभय माध्यमिक विद्यालय के संचालक मनोज कुमार शर्मा, नरेश गौतम, मां जगदंबा विद्यालय के संचालक बाबूलाल शर्मा, एडवोकेट राजेश हरदैनिया, महिंद्र हरदैनिया, रामकिशोर, सुरेश, प्रधानाचार्य गणपत लाल गुप्ता, बी.के. सर लोक हितकारी विद्यालय शिविर संचालक प्रेमराज मीना, रॉयल स्कूल के स्काउट मास्टर विनोद कुमार शर्मा, गाइड कैप्टन मिथिलेश चतुर्वेदी, राज्य पुरस्कार रोवर तेजस गिरी, केशव शर्मा, राहुल बेनीवाल, दुर्गेश बेनीवाल, पीयूष नामा, सूरज गुर्जर, राज्य पुरस्कार गाइड कीर्ति सोनी के साथ–साथ सैकड़ों स्काउट गाइड रोवर रेंजर उपस्थित थे। इस अवसर पर मदन मोहन जी मंदिर के दर्शनार्थियों ने भी बढ़–चढ़कर भाग लिया एवं मोमबत्ती जलाकर एवं शहीदों के सम्मान में नारे लगाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बीकानेर मण्डल

❖ भारत स्काउट एवं गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में आयोजित पाँच दिवसीय राज्य पुरस्कार रोवर रेंजर, स्काउट गाइड एवं प्रेसिडेंट अवॉर्ड स्काउट प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में उपभोक्ता प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष मनोज मील मुख्य अतिथि रहे, जबकि जेजेटी विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार डॉ. मधु गुप्ता ने अध्यक्षता की। चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं समाजसेवी मनीष अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित

रहे। डॉ. मधु गुप्ता ने स्काउटिंग–गाइडिंग को बालक बालिकाओं के सर्वांगीण विकास में सहायक बताया तथा मनीष अग्रवाल ने स्काउट–गाइड द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों की सराहना करते हुए स्काउट्स कार्यालय को 10 स्लीपिंग बैग भेंट किए।

मुख्य अतिथि मनोज मील ने कहा कि स्काउट गाइड को 'कंज्यूमर वॉइस एजेंट' के रूप में कार्य करते हुए उपभोक्ताओं को जागरूक करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी वस्तु की खरीद पर बिल लेना उपभोक्ता का अधिकार है। 'उपभोक्ता देवो भवः' के सिद्धांत पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि इस मुहिम के तहत जिले में 10 हजार महिलाओं एवं छात्राओं को जोड़ा जाएगा।

सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि शिविर के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्काउटर–गाइडर, प्रशिक्षण दल एवं रोवर्स–रेंजर्स को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। रात्रि में आयोजित कैंप फायर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्काउट–गाइड ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। जिला प्रधान गंगाधर सिंह सुंडा तथा कैप्टन विद्याधर ने भी संबोधित किया।

जयपुर मण्डल

❖ 24 मार्च से 30 मार्च 2025 तक भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, बनीपार्क जयपुर पर डीएलएड तथा गाइड कैप्टन बेसिक कोर्स, गाइड कैप्टन एडवांस्ड कोर्स इत्यादि का आयोजन किया गया। दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा प्रवेश से लेकर राज्य पुरस्कार तक के विभिन्न विषयों यथा प्रवेश का संपूर्ण पाठ्यक्रम, प्राथमिक चिकित्सा, पायनियरिंग, दिशा ज्ञान, अनुमान लगाना, टेंट लगाना, शिविर संबंधित सभी औजारों की जानकारी, हाईक, हस्तकला तथा अन्य विशेष विषयों पर थ्योरिकल व प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। गाइड कैप्टन

बेसिक कोर्स का संचालन श्रीमती सुनीता नंदवाना एएलटी गाइड ने किया तथा गाइड कैप्टन एडवांस्ड कोर्स का संचालन श्रीमती बसंती शर्मा एएलटी गाइड द्वारा किया गया। इस मौके पर सी.ओ. गाइड इंदू तंवर व ऋतु शर्मा ने शरीरों की संपूर्ण व्यवस्था की। सहायक राज्य संगठन आयुक्त श्रीमती नीता शर्मा ने समय–समय पर शिवरों का अवलोकन किया एवं दिशा निर्देश प्रदान किए।

❖ भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, बनीपार्क, जयपुर पर 27 मार्च 2025 को जिला स्तरीय सी.डी. सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें 35 रेंजर रोवर स्काउटर गाइडर तथा अन्य पदाधिकारियों ने सहभागिता की। सेमिनार के दौरान सभी

संभागियों को सामुदायिक विकास से संबंधित उपराष्ट्रपति शील्ड, प्रधानमंत्री शील्ड इत्यादि के विषय पर विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान कराते हुए अधिक से अधिक सहभागिता हेतु प्रेरित किया गया।

❖ 15 मार्च 2026 को जयपुर स्थित अमर जवान ज्योति से विकसित राजस्थान दौड़ का आयोजन कार्यक्रम माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के साथ मुख्य सचिव महोदय, पुलिस महानिदेशक महोदय, सिविल लाइन विधायक गोपाल

शर्मा जी, संभागीय आयुक्त जयपुर, शासन सचिव युवा एवं खेल विभाग, जिला कलक्टर जयपुर की उपस्थिति में विशाल दौड़ का आयोजन हुआ। दौड़ में सहायक राज्य संगठन आयुक्त दामोदर शर्मा के साथ सी.ओ. स्काउट शरद कुमार शर्मा, स्थानीय संघ सचिव के.के. शर्मा, रोवर लीडर, स्काउटर, रोवर व स्काउट्स ने सहभागिता की।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के तहत विश्व गौरैया पक्षी दिवस के अवसर पर जिले भर में विभिन्न स्थानों पर गौरैया पक्षी दिवस मनाया गया।

इसके तहत सैकड़ो की तादाद में जिले भर में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के सदस्यों, इको क्लब सदस्यों ने गौरैया पक्षी को बचाने के लिए लगातार छठे वर्ष विशेष प्रयास करते हुए घोसले और पक्षियों के लिए परिंडे लगाए। इसके साथ–साथ गांव–गांव में घर–घर संपर्क कर गौरैया पक्षी को बचाने के लिए विभिन्न प्रकार की जनसाधारण को जानकारी प्रदान की व संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय सीकर पर सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा, रोवर स्काउट प्रिंस व अन्य स्काउट गाइड सदस्यों ने गौरैया पक्षी के लिए घोसले व परिंडे लगाएं। अनु मीणा, अनु सैनी रेंजर तेजा नारायण ओपन रेंजर टीम श्रीमाधोपुर ने पक्षियों के लिए अपनी दादी के साथ अपने परिवार के साथ भी घोसला लगाया। प्रथम दिन ही उसमें चिड़ियों ने बसेरा करना शुरू किया। साथ ही बसंत कुमार लाटा ने जिले के सभी स्काउट गाइड सदस्यों व जनसाधारण से अपील करते हुए कहा कि अप्रैल से सितंबर तक गौरैया पक्षी का प्रजनन काल होता है इसलिए हर घर में पक्षियों के लिए कम से कम एक–एक घोंसला अवश्य लगे ताकि विलुप्त होती गौरैया पक्षी को बचाया जा सके।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में जिला स्तरीय अनुसूचित जाति और जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर 23 मार्च से 27 मार्च तक आयोजित किया गया। इस शिविर के दौरान संभागी स्काउट गाइड ने मारू पार्क में साफ सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया और मैसेंजर ऑफ पीस की ओर सतत विकास लक्ष्य की गतिविधि भी करवाई गई। सहायक राज्य संगठन आयुक्त दामोदर प्रसाद शर्मा, सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा, जिला कोषाध्यक्ष मामराज शर्मा, जिला यूथ सेक्रेटरी राम प्रसाद भास्कर, स्थानीय संघ सचिव देवीलाल जाट आदि मौजूद रहे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, अलवर के तत्वावधान में राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति पुरस्कार स्काउट गाइड रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर दिनांक 23 मार्च से 27 मार्च तक नजर बगीची अलवर पर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 157 स्काउट गाइड ने सहभागिता कर प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर में विभागवार संभागित्व– राज्य पुरस्कार गाइड में 28, राज्य पुरस्कार स्काउट में 17, राष्ट्रपति गाइड में 32,

राष्ट्रपति स्काउट में 52, राष्ट्रपति रेंजर में 9, राज्य पुरस्कार रेंजर में 1, राज्य पुरस्कार रोवर में 16, राष्ट्रपति रोवर में 3 तथा शिविर संचालक के रूप में सुरेखा शर्मा, कृष्णकुमार यादव, हजारीलाल, अतुल, शिवानी, पूजा, सोनू लावण्या मुखीजा, आलोक, धारासिंह, चंद्रभान, दिनेश कुमार, सीओ स्काउट गाइड आदि मौजूद रहे। शिविर के दौरान डीओ माध्यमिक महेश कुमार मेहता ने स्काउट गाइड को राष्ट्रपति अवार्ड हेतु अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए अपने उद्‌बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा के साथ–साथ सुनागिरिक बनने का सुअवसर मिलता है।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, दौसा के तत्वावधान में आयोजित राज्यपाल एवं राष्ट्रपति अवार्ड प्रशिक्षण शिविर में स्काउट्स और गाइड्स को आपदा प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने शिविरार्थियों को आपातकालीन स्थितियों से निपटने और बचाव कार्यों के महत्वपूर्ण तरीके एवं सीपीआर के गुर सिखाए। कार्यक्रम की शुरुआत में शिविर संचालक सहायक

लीडर ट्रेनर श्रीकांत शर्मा द्वारा एनडीआरएफ यूनिट के प्रभारी अमित कुमार जाखड़ और एसडीआरएफ यूनिट के प्रभारी मनराज का ससम्मान स्वागत किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान विशेषज्ञ टीमों ने युवाओं को प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के समय त्वरित राहत, बचाव कार्य और प्राथमिक उपचार की बारीकियों से अवगत कराया।

❖ भारत स्काउट व गाइड एवं पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के तहत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर का आयोजन 28 से 30 मार्च, 2026 तक राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय, खुडी के प्रांगण में

आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन बाबूलाल गुर्जर अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक शिक्षा एवं अध्यक्ष जिला स्काउट गाइड सीकर ने किया। शिविर संचालक गणेश प्रसाद गुर्जर ने बताया कि शिविर में 50 इको क्लब सदस्य एवं स्काउट गाइड सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के तहत आज जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर का शुभारंभ किया गया एवं इस अवसर पर सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल के 17 प्रोजेक्ट की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

जोधपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जोधपुर के तत्वावधान में स्काउटर गाइडर बेसिक प्रशिक्षण एवं एडवांस प्रशिक्षण शिविर शिविर केंद्र चौपासनी में संपन्न हुआ। कब मास्टर एडवांस प्रशिक्षण शिविर में 12 स्काउट मास्टर, बेसिक प्रशिक्षण शिविर में 44 स्काउट मास्टर, एडवांस प्रशिक्षण शिविर में 40 संभागियों ने सहभागिता की। साथ ही फ्लॉक लीडर गाइड कैप्टन बेसिक एवं एडवांस शिविरों का भी आयोजन हुआ, जिसमें कुल 75 संभागियां ने सहभागिता की। संभागियो को नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झंडा गीत, प्राथमिक सहायता, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, विभिन्न प्रकार के गैजेट्स, कंपास इत्यादि विषयों का गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कब यूनिट लीडर एडवांस कोर्स का संचालन श्री जीवाराम सहायक लीडर ट्रेनर पाली, स्काउट यूनिट लीडर एडवांस कोर्स का संचालन श्री अनिल कुमार शर्मा लीडर ट्रेनर जोधपुर, स्काउट

यूनिट लीडर बेसिक प्रशिक्षण शिविर का संचालन श्री राजेंद्र कुमार लिंबा सहायक लीडर ट्रेनर जोधपुर, फ्लॉक लीडर बेसिक शिविर का संचालन श्रीमती प्रकाश शर्मा, फ्लॉक लीडर एडवांस कोर्स का संचालन श्रीमती विमला सिंघवी, गाइड एडवांस कोर्स का संचालन श्रीमती किशन देवी, गाइड बेसिक शिविर का संचालन श्रीमती शकुंतला पांडे द्वारा श्रीमती निशु कंवर सर्कल ऑर्गेनाइजर गाइड के नेतृत्व में किया गया।

कार्यवाहक सहायक राज्य संगठन आयुक्त छतर सिंह पिड़ीयार के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय सात शिविरों का आयोजन कर वयस्क लीडर की योग्यता अभिवृद्धि में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया। सात दिवसीय इन प्रशिक्षण शिविरों का निरीक्षण एवं अवलोकन राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य द्वारा किया गया। जिला सचिव डॉ. बी.एल. जाखड़ ने भी शिविर का अवलोकन कर संभागियों का उत्साहवर्धन किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा तीन दिवसीय प्रकृति अध्ययन शिविर 23 मार्च को स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सिरोही में प्रारंभ हुआ। शिविर शुभारंभ के मुख्य अतिथि राजेंद्र कुमार पुरोहित सहायक निदेशक बाल कल्याण अधिकारिता विभाग सिरोही, अध्यक्षता देवेंद्र कुमार गर्ग पूर्व सचिव स्थानीय संघ सिरोही ने की। इस अवसर पर राजेंद्र कुमार पुरोहित ने कहा कि पर्यावरण को बचाना हम सभी का दायित्व है। अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उसकी संभाल करना आवश्यक है। उपस्थिति स्काउट गाइड को उन्होंने कहा कि आप अपने घरों के आस पास स्वच्छता का ध्यान रखें और पर्यावरण को बचाने के लिए भी कार्य करें। उन्होंने कहा कि अभी गर्मी शुरू हो गई है पक्षियों के लिए परिंडे

बाँधने का कार्यक्रम भी प्रारंभ करें।

अध्यक्षता करते हुए देवेंद्र कुमार गर्ग ने कहा कि स्काउट गाइड द्वारा पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए शिविर आयोजित किये जा रहे है, इसमें स्काउट गाइड व छात्र छात्राओं को प्रकृति और पर्यावरण, जल सरंक्षण, ऊर्जा संरक्षण के बारे में दी जा रही जानकारी उनके लिए लाभदायक होगी।

प्रारम्भ में सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर में जिले से 45 स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर सम्मिलित हुए हैं, जिनको पर्यावरण, जल, ऊर्जा सरंक्षण, जीवन शैली, स्वच्छता आदि का प्रशिक्षण वार्ताओं के माध्यम से दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी स्काउट गाइड को जिला मुख्यालय सिरोही द्वारा टी शर्ट, केप व वॉटर बोटल वितरित किये गये। सायं को गणपतसिंह देवडा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी ने उपस्थित स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर को प्रकृति अध्ययन के बारे में विस्तार से अपनी वार्ता के माध्यम से जानकारी दी। शिविर के दौरान पर्यावरण संरक्षण पर निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

कोटा मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पारंपरिक खेलकूद प्रतियोगिता, संगोष्ठी, रैली, भोजन प्रतियोगिता जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम संगोष्ठी के साथ प्रारंभ किया गया।

संगोष्ठी सीताराम गोयल जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा, राधा कृष्ण सहकारी संस्था के अध्यक्ष बृज गोविंद टेलर, जिला हेडक्वार्टर कमिश्नर भेरूलाल भास्कर, जिला कमिश्नर बुलबुल मधुबाला जैन, रेंजर लीडर सरिता सिंह, गाइडर निर्मला सिंह के आतिथ्य एवं यूथ कमेटी की उपाध्यक्ष राजश्री की अध्यक्षता में आयोजित की गई। संगोष्ठी में सभी वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट गाइड प्रदीप चित्तौड़ा एवं सुनीता मीणा ने अपने उद्‌बोधन के माध्यम से महिलाओं के अधिकार के साथ कर्तव्य के बारे में भी चर्चा की। इस अवसर पर सुनीता मीणा ने जीवन पर्यंत हमेशा सकारात्मक रहने का संकल्प दिलाते हुए सभी महिलाओं रेंजर को जीवन में खूब तरक्की करने की शुभकामनाएं दी। प्रदीप चित्तौड़ा ने सभी महिलाओं रेंजर को अपने धर्म के प्रति कर्तव्य को याद दिलाते हुए अधिकार के साथ न्याय विषय पर चर्चा करते हुए प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम रखा। जिसमें रेंजर ने बढ चढ़कर हिस्सा लेते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की जानकारी दी।

संगोष्ठी के उपरांत एक रैली का आयोजन किया गया जिसको सीताराम गोयल के साथ सभी सम्माननीय अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के समापन के बाद पारंपरिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें खो–खो, रस्सा कशी, चम्मच दौड़, सतोलिया आदि खेल खिलाए गए। उन में प्रथम द्वितीय आने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया गया। दोपहर के सत्र में भोजन बनाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें अलग–अलग टोलियों द्वारा विभिन्न प्रकार के व्यंजन तमन्ना मीणा के नेतृत्व में बनाए गए। इन सभी कार्यक्रमों में कौशल गौड, अरविंद मीना, किट्टू, सुमन, महेश सेन आदि का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन सी.ओ. प्रदीप चित्तौड़ा द्वारा किया गया। अंत में सभी अतिथियों का यूथ कमेटी की कोषाध्यक्ष तमन्ना मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां के तत्वावधान में आयोजित प्रकृति अध्ययन शिविर के अंतर्गत जिला उप प्रधान ललित वैष्णव एवं कोटा की सहायक लीडर ट्रेनर फ्लॉक गिरीशा कुमारी के आतिथ्य में सभी स्काउट गाइड को पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत टी–शर्ट कैप के साथ पर्यावरण जन चेतना किट प्रदान किया गया।

इस अवसर पर जिला उप प्रधान ललित वैष्णव ने पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग न करने का भी संकल्प दिलाया। उन्होंने बताया कि स्काउट गाइड ऐसा संगठन है जो पर्यावरण जनचेतना के अंतर्गत ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, भू संरक्षण आदि पर कार्य करते हुए आम जन को जनजागरूक करने का कार्य करता है। शिविर में सर्कल ऑर्गनाइजर स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा ने

पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि पूरे जिले में स्काउट गाइड द्वारा वर्ष भर सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बारां कार्यक्रम के अंतर्गत कपड़े के थैले बंटवाए जा रहे हैं। सर्कल ऑर्गनाइजर गाइड सुनीता मीणा ने प्रत्येक स्काउट गाइड रोवर रेंजर को आव्हान किया कि वर्ष में दो बार अपने मौहल्ले या घर पर या किसी सार्वजनिक स्थान पर पौधा लगाकर संरक्षित करने का कार्य कर इस धरा को हरा भरा बनाएं।

शिविर में वार्ताकार के रूप में आरती गढ़वाल ने ऊर्जा संरक्षण एवं जल संरक्षण पर वार्ता देते हुए बताया कि सभी स्काउट गाइड को पर्यावरण संरक्षण के महत्वपूर्ण बिंदु ऊर्जा संरक्षण एवं जल संरक्षण पर छोटे–छोटे टिप्स बताते हुए संरक्षण की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम की द्वितीय श्रृंखला में स्काउट गाइड ने पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत रैली निकालकर पर्यावरण संरक्षण हेतु आमजन को जागरूक किया। अंत में वार्ताकार रमेश चंद्र नागर ने एक गीत सुना कर प्रकृति को हरा भरा रखने का संदेश प्रदान किया। सभी कार्यक्रमों का संचालन शिविर प्रभारी रोवर लीडर महेश सेन द्वारा किया गया। कौशल गौड़, अरविंद मीना, राजश्री, विनीता कश्यप, उमा मीणा ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

उदयपुर मण्डल

❖ राजस्थान दिवस सप्ताह के अंतर्गत 15 मार्च को उदयपुर में "विकसित राजस्थान रन मैराथन" का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन की पहल पर आयोजित इस मैराथन में हजारों युवाओं, स्काउट्स गाइड्स रोवर्स रेंजर्स तथा उनके प्रभारी, खिलाड़ियों, स्काउट गाइड अधिकारियों–कर्मचारियों और आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विकसित और समृद्ध राजस्थान के संकल्प को दोहराया। जिला प्रशासन और उदयपुर विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित मैराथन की शुरुआत उदयपुर की प्रसिद्ध फतहसागर झील की पाल से हुई। संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवल रमानी, जिला कलक्टर नमित मेहता और यूडीए आयुक्त राहुल जैन ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया। मैराथन फतहसागर की पाल से शुरू होकर नीलकंठ महादेव मंदिर मार्ग से गुजरते हुए यूडीए सर्कल पहुंचकर सम्पन्न हुई। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों में उत्साह देखने को मिला और "विकसित राजस्थान" के नारों के साथ लोग दौड़ते नजर आए।

इस अवसर पर एडीएम प्रशासन दीपेंद्र सिंह राठौड़, एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा, गिर्वा एसडीएम अवुला साइकृष्ण, सी.ओ. स्काउट सुरेन्द्र कुमार पाण्डे, सी.ओ. गाइड अभिलाषा मिश्रा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में स्वास्थ्य, जागरूकता और प्रदेश के विकास के प्रति सकारात्मक संदेश देते हैं।

मैराथन में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, उदयपुर की सक्रिय भागीदारी रही। राजस्थान दिवस के आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत टाया पैलेस से स्काउट्स, गाइड्स, स्काउटर्स और गाइडर्स ने मैराथन में भाग लेकर "विकसित राजस्थान" के संदेश को जन–जन तक पहुंचाया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, उदयपुर के तत्वावधान में जिला स्तरीय निपुण रोवर प्रशिक्षण शिविर और मण्डल स्तरीय विशेष योग्यजन स्काउट्स एवं गाइड्स का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर का समापन समारोह महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ प्रताप सिंह धाकड़ के मुख्य आतिथ्य तथा अभिलाषा विशेष विद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रेणु के विशिष्ठ आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। बतौर मुख्य अतिथि पद से संबोधित करते हुए हुए कुलगरू ने कहां कि यह संगठन युवाओं के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका अदा कर रहा है। युवा पीढ़ी को समय पर संस्कारों की पाठशाला के अवसर प्रदान करवाये जाते हैं तो निश्चित तौर पर उनमें संस्कारों के गुणों का विकास होना संभव है, परिणाम स्वरूप देश को भावी पीढ़ी संस्कारित और सुयोग्य मिलती है। उन्होंने शिविर में प्रशिक्षण ले रहे महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर के रोवर्स और अभिलाषा विशेष विद्यालय के विशेष योग्यजन स्काउट्स व गाइड को शुभकामनाएं दी। जिले के सी.ओ. स्काउट सुरेन्द्र कुमार पाण्डे के द्वारा रोवरिंग के माध्यम से युवाओं को नई दिशा दिखाने के

लिए किये जा रहे प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

विशिष्ट अतिथि पद से संबोधित करते हुए रेणु सिंह ने कहा कि भारत स्काउट व गाइड सभी को समानता का अधिकार देते हुए कमजोर आर्थिक स्थिति के छात्र छात्राओं को भी स्काउटिंग की मूलाधार से जुड़कर इसकी गुणात्मक प्रगति यथा तृतीय सोपान, राज्य पुरस्कार, प्रेसीडेंट अवार्ड प्राप्त करने के साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शिविर गतिविधियों में अपनी प्रतिभा को निखारने तथा प्रदान करने के सुअवसर प्रदान करता है। उन्होंने भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के तत्वावधान में पहली बार गदपुरी हरियाणा में विशेष योग्यजन स्काउट्स गाइड्स रोवर्स रेंजर्स के लिए आयोजित होने जा रही अगनूरी में उनकी संस्थान के 04 स्काउट्स एवं 04 गाइड्स का राष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता के लिए सुअवसर प्रदान कर चयनित करवाने के लिए प्रशंसा कर आभार जताया।

इस अवसर पर उदयपुर मण्डल के सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट मनमोहन स्वर्णकार ने अतिथियों का शाब्दिक स्वागत किया। अभिलाषा विशेष विद्यालय की उपाचार्य शमा परवीन, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ग्रुप लीडर डॉ धर्मपाल सिंह डूडी आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

निपुण रोवर प्रशिक्षण शिविर का संचालन सुभाष चंद्र लीडर ट्रेनर ने तथा विशिष्ट योग्यजन स्काउट्स गाइड्स का शिविर संचालन सी.ओ. स्काउट सुरेन्द्र कुमार पाण्डे ने किया। संचालन व्यवस्थाओं में हरीशंकर शर्मा, विशाल गुप्ता, विरेंद्र सिंह चुंडावत, देवेश लक्षकार, अमित यादव, चंदा सिसोदिया ने पूरे समय उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर कैंप फायर कार्यक्रम में संभागी ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। अंत में आभार सुभाष चंद्र लीडर ट्रेनर ने किया। रात्रिकालीन सत्र में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

❖ राजस्थान दिवस के पावन अवसर पर राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द के स्काउट, रोवर्स एवं रेंजर्स द्वारा विश्व प्रसिद्ध कुंभलगढ़ किले का भव्य शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को कुंभलगढ़ किले की विशाल प्राचीर, ऐतिहासिक द्वार, मंदिरों एवं प्राकृतिक सौंदर्य के बारे में बताया गया। सी.ओ. स्काउट सुनील कुमार सोनी ने बताया कि इस अवसर पर स्काउट, रोवर्स व रेंजर्स ने मानव श्रृंखला बनाकर एकता, अखंडता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया। स्काउट गतिविधि के माध्यम से युवाओं ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को दर्शाते हुए जनजागरूकता का प्रभावी संदेश प्रसारित किया। इस दौरान धर्मेन्द्र गुर्जर, गेहरी लाल रेगर, माधव लाल, मुदिता पानेरी, शारदा खटीक, सर्वेश्वर बरड़वाल, राजेश बलाई, चेतन बैरवा एवं विक्रम सिंह सहित जिले के 54 रोवर्स रेंजर्स ने सहभागिता की।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में 02 मार्च 2026 से स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र, बी.पी. पार्क किला रोड़ चित्तौड़गढ़ पर प्रारम्भ बी.एस.टी.सी. गाइड ग्रुप शिविर का समापन सर्वधर्म प्रार्थना सभा के बाद ध्वजावतरण के साथ किया गया। शिविर के समापन से पूर्व राजस्थान दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित चित्रकला व रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं का अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सम्मान किया गया। शिविर में आर.एन.टी. गर्ल्स स्कूल ऑफ बी.एस.टी. कपासन से 91 व आर.एन.टी. इन्स्टीट्यूट ऑफ बी.एस.टी. कपासन से 17 छात्रा अध्यापिकाओं सहित कुल 108 संभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

चन्द्र शंकर श्रीवास्तव, सी.ओ. स्काउट चित्तौड़गढ़ ने बताया कि शिविर के मध्य में अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश पुरोहित ने शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में परिवार व समाज में महिलाओं की भूमिका के बारे में बताते हुए कहा कि महिलाएं परिवार, समाज व देश के विकास में योगदान देकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। शिविर के अन्तर्गत संभागियों को स्काउट गाइड आन्दोलन की जानकारी, नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, ध्वजगीत, राष्ट्रगान, प्रभाती गीत, शिविर ज्वाल गीत, शयन गीत, भोजनमंत्र, हाथ व सीटी के संकेत, खोज के चिन्ह, दिशा ज्ञान, कम्पास, प्राथमिक सहायता, गाठें, आपदा प्रबन्धन, ज्ञानेन्द्रीय खेल, बी.पी. सिक्स,

कैम्प फायर, हाइक, आत्मरक्षा, साईबर क्राइम आदि विषयों का प्रशिक्षण दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया गया। शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रमोद कुमार दशोरा मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला मुख्य आयुक्त ने संभागियों को अपने उद्बोधन में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बधाई देते हुये कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। महिलायें ही हैं जो घर व दफ्तर दोनों जगह को बैलेंस बनाकर संभाल सकती है। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चित्तौड़गढ़ शम्भू लाल सोमानी ने छात्रा अध्यापिकाओं को महिला दिवस की बधाई दी।

अध्यक्षता करते हुये लीडर ट्रेनर स्काउट इन्द्र लाल आमेटा ने कहा कि स्काउटिंग जीवन जीने की कला सिखाता है। शिविर संचालक चतर सिंह राजपूत ने बताया कि शिविर के अंतिम दिन प्रातः काल में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इसके साथ ही शिविर के अन्तर्गत जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग चित्तौड़गढ़ के निर्देशन में राजस्थान दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिन्हें महिला दिवस के अवसर पर प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अखिलेश श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में जिला स्तरीय सचिव व सहायक सचिव बैठक 19 मार्च को प्रातः 11 बजे से स्काउट गाइड जिला मुख्यालय बी. पी. पार्क, किला रोड़ चित्तौड़गढ़ पर प्रमोद कुमार दशोरा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला मुख्य आयुक्त चित्तौडगढ़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सी.ओ. स्काउट चन्द्रशंकर श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में जिले के 11 स्थानीय संघों से सचिव व सहायक सचिव ने भाग लिया। बैठक में स्थानीय संघ द्वारा आयोजित गतिविधियों व अर्जित उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। स्थानीय संघ सचिवों द्वारा जानकारी प्रदान कर शेष रहे लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु कार्ययोजना बनाई गई।

प्रमोद कुमार दशोरा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी को हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्काउटिंग जीवन जीने की कला सिखाती है। स्काउटिंग से बालक बालिकाओं में अनुशासन, स्वावलम्बन, समय प्रबन्धन, साहस, मैत्रीभाव, लीडरशिप, प्रकृति प्रेम, मानव सेवा, समाज सेवा व देशप्रेम जैसे गुणों का विकास होता है। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी ने समस्त स्थानीय संघ सचिवों को स्थानीय संघ स्तर पर ज्यादा से ज्यादा विद्यालयों को भारत स्काउट गाइड से जोड़ने के निर्देश प्रदान किये।

लीडर ट्रेनर व जिला कमिश्नर एडल्ट रिर्सोस इन्द्र लाल आमेटा ने भी संबोधित किया। बैठक में सचिव व सहायक सचिव स्थानीय संघ बड़ीसादड़ी से चन्द्र कान्त शर्मा व जवान सिंह मीणा, बेगूँ से शिवराज गोस्वामी व मनोज कुमार बोहरा, भूपालसागर से दिनेश चन्द्र धोबी, भदेसर से शंकर लाल भांबी व श्रवण कुमार, चित्तौड़गढ़ से पंकज दशोरा व गोवर्धन लाल आचार्य, डूंगला से सोहन लाल मेघवाल व महेन्द्र कुमार जाट, गंगरार से भूरा लाल शर्मा व ललित सिंह पंवार, कपासन से जमील खॉ पठान व सत्य नारायण सोमानी, निम्बाहेड़ा से सुनील कुमार डूंगरवाल व दीपक कुमार भट्ट, राशमी से कैलाश चन्द्र अहीर व सत्य नारायण शर्मा एवं रावतभाटा से राधेश्याम शर्मा, जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट चतर सिंह राजपूत, जिला हैडक्वार्टर कमिश्नर अखिलेश श्रीवास्तव, रोवर पवन माली, भगत भूल, रेंजर रिमझिम पारीक, नेहा धाकड़ आदि उपस्थित थे।

❖ राजस्थान स्थापना दिवस सप्ताह 15 मार्च पर "विकसित राजस्थान रन मैराथन", प्रशासन की पहल पर उदयपुर की द विजन एकादमी स्कूल ए यूनिट ऑफ आरएमवी के स्काउट गाइड व स्काउट मास्टर उमेश चंद्र पुरोहित शामिल हुए। मैराथन में उत्साहपूर्वक भाग लेकर विकसित और समृद्ध राजस्थान के संकल्प को दोहराया। राजस्थान दिवस के आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत टाया पैलेस से

विद्यालय के स्काउट्स, गाइड्स ने मैराथन में भाग लेकर "विकसित राजस्थान" के संदेश को जन–जन तक पहुंचाया। इस अवसार पर द विजन एकेडमी स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. प्रतिमा सामर ने सभी को शुभकामनाएं व राजस्थान दिवस की बधाईयां दी।

पर्यटन स्थल

मंडोर का किला

– स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

मंडोर जोधपुर शहर में रेल्वे स्टेशन से 9 किलोमीटर की दूरी पर है। मण्डोर का प्राचीन नाम 'माण्डवपुर' था। यह पुराने समय में मारवाड़ राज्य की राजधानी हुआ करती थी। राव जोधा ने मंडोर को असुरक्षित मानकर सुरक्षा के लिहाज से चिड़िया कूट पर्वत पर मेहरानगढ़ का निर्माण कर अपने नाम से जोधपुर को बसाया था तथा इसे मारवाड़ की राजधानी बनाया। वर्तमान में मंडोर दुर्ग के भग्नावशेष ही बाकी हैं, जो बौद्ध स्थापत्य शैली के आधार पर बना था। इस दुर्ग में बड़े–बड़े प्रस्तरों को बिना किसी मसाले की सहायता से जोड़ा गया था।

यह परिहार राजाओं का गढ़ था। सैकड़ों सालों तक यहाँ से परिहार राजाओं ने सम्पूर्ण मारवाड़ पर अपना राज किया। सन् 1695 में चुंडाजी राठौड़ की शादी परिहार राजकुमारी से होने पर मंडोर उन्हे दहेज में मिला तब से परिहार राजाओं की इस प्राचीन राजधानी पर राठौड़ शासकों का राज हो गया। मन्डोर मारवाड़ की पुरानी राजधानी रही है। मन्डोर रावण की ससुराल होने की किदवन्ति भी है मगर रावण की पटरानी मन्दोदरी नाम से मिलता नाम के अलावा अन्य कोई साक्ष्य यहाँ उपलब्ध नहीं है। मन्डोर में सदियों से होली के दूसरे दिन राव का मेला लगता है। मेले के स्वरुप व परंपरा आज भी सेकड़ों साल पुरानी है। हाल के वर्षों में स्वरुप में जरुर बदलाव हुआ है मगर परम्पराओं में बदलाव नहीं हुआ है। मण्डोर का दुर्ग देवल, देवताओं की राल, जनाना, उद्यान, संग्रहालय, महल तथा अजीत पोल दर्शनीय स्थल हैं। मण्डोर साम्प्रदायिक सद्भाव एवं एकता का प्रतीक हैं। तनापीर की दरगाह, मकबरे, जैन मंदिर तथा वैष्णव मंदिर सभी का एक ही क्षेत्र में पाया जाना, इस तथ्य का मजबूत सबूत हैं कि विभिन्नता में एकता यहाँ के जीवन की प्रमुख विशेषता रही है।

स्थापत्य कला

आधुनिक काल में मंडोर में एक सुन्दर उद्यान बना है, जिसमें अजीत पोल, देवताओं की साल व वीरों का दालान, मंदिर, बावड़ी, जनाना महल, एक थम्बा महल, नहर, झील व जोधपुर के विभिन्न महाराजाओं के स्मारक बने हैं, जो स्थापत्य कला के बेजोड़ नमूने हैं। इस उद्यान में देशी–विदेशी पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। उद्यान में बनी कलात्मक इमारतों का निर्माण जोधपुर के महाराजा अजीत सिंह व उनके पुत्र महाराजा अभय सिंह के शासन काल के समय सन् 1714 से 1749 ई. के बीच किये गए थे।

मारवाड़ की इस प्राचीन राजधानी में कई प्राचीन स्मारक हैं। हॉल ऑफ हीरो में चट्टान से दीवार में तराशी हुई पन्द्रह आकृतियां हैं जो हिन्दु देवी–देवताओं का प्रतिनिधित्व करती है। अपने ऊँची चट्टानी चबूतरों के साथ, अपने आकर्षक बगीचों के कारण यह प्रचलित पिकनिक स्थल बन गया है।

जनाना महल

उद्यान में स्थित जनाना महल में वर्तमान समय में राजस्थान के पुरातत्त्व विभाग ने एक सुन्दर संग्रहालय बना रखा है, जिसमें पाषाण प्रतिमाएँ, शिलालेख, चित्र एवं विभिन्न प्रकार की कलात्मक सामग्री प्रदर्शित है। जनाना महल का निर्माण महाराजा अजीत सिंह (1707–1724 ई.) के शासन काल में हुआ था, जो स्थापत्य कला की ष्टि से एक बेजोड़ नमूना है। जानना महल के प्रवेश द्वार पर एक कलात्मक द्वार का निर्माण झरोखे निकाल कर किया गया है। इस भवन का निर्माण राजघराने की महिलाओं को राजस्थान में पड़ने वाली अत्यधिक गर्मी से निजात दिलाने हेतु कराया गया था। इसके प्रांगण में फव्वारे भी लगाये गए थे।

महल प्रांगण में ही एक पानी का कुंड है, जिसे 'नाग गंगा' के नाम से जाना जाता है। इस कुंड में पहाड़ों के बीच से एक पानी की छोटी–सी धारा सतत बहती रहती है। महल व बाग के बाहर एक तीन मंजिली प्रहरी ईमारत बनी है। इस बेजोड़ ईमारत को 'एक थम्बा महल' कहते हैं। इसका निर्माण भी महाराजा अजीत सिंह के शासन काल में ही हुआ था।

महाराजाओं के स्मारक

मंडोर उद्यान के मध्य भाग में दक्षिण से उत्तर की ओर एक ही पंक्ति में जोधपुर के महाराजाओं के स्मारक ऊँची प्रस्तर की कुर्सियों पर बने हैं, जिनकी स्थापत्य कला में हिन्दू स्थापत्य कला के साथ मुस्लिम स्थापत्य कला का उत्ष्ट समन्वय देखा जा सकता है। इनमें महाराजा अजीत सिंह का स्मारक सबसे विशाल है। स्मारकों के पास ही एक फव्वारों से सुसज्जित नहर बनी है, जो नागादड़ी झील से शुरू होकर उद्यान के मुख्य दरवाजे तक आती है। नागादड़ी झील का निर्माण कार्य मंडोर के नागवंशियों ने कराया था, जिस पर महाराजा अजीत सिंह व महाराजा अभय सिंह के शासन काल में बांध का निर्माण कराया गया था।

देवताओं की साल व वीरों का दालान

मंडोर उद्यान का एक प्रमुख दर्शनीय स्थल है। राजस्थानी भाषा में साल का अर्थ कक्ष और दालान का अर्थ बरामदा है। अजीत पोल से प्रवेश करते ही एक लम्बा बरामदा दिखाई पड़ता है इसे ही देवताओं की साल व वीरों का दालान कहा जाता है।

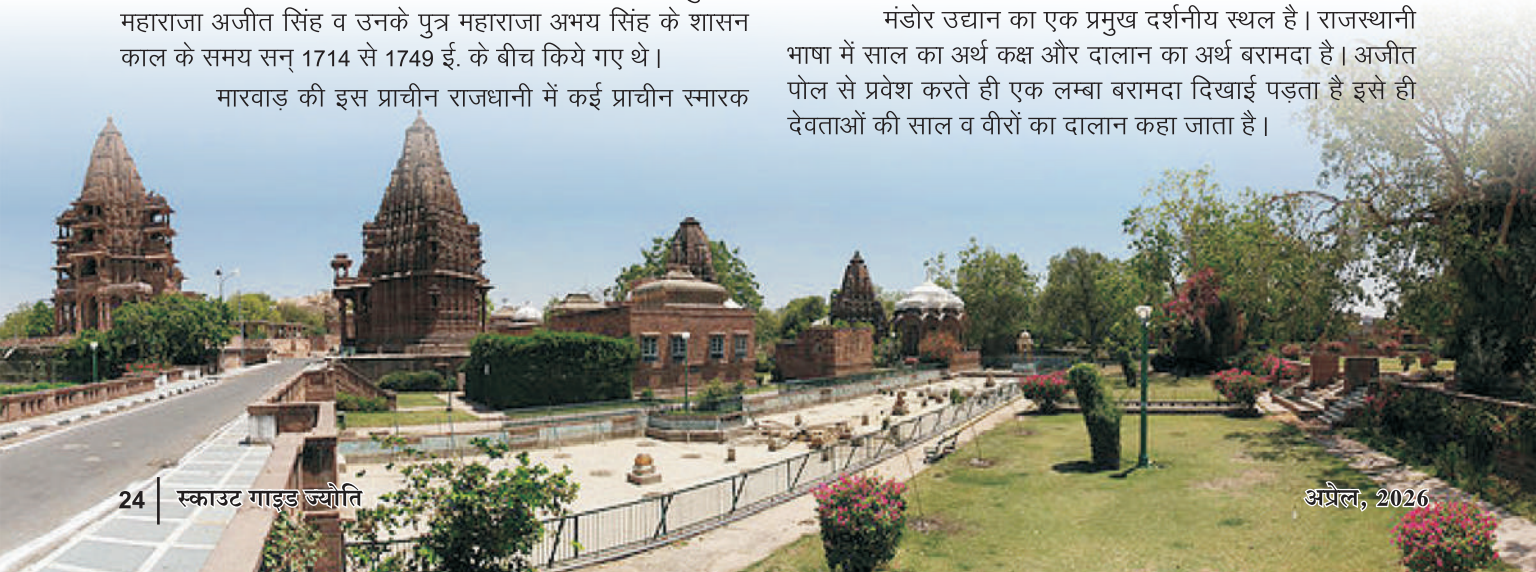

हमारे महापुरुष

भारत रत्न से सम्मानित

महर्षि डॉ. धोंडो केशव कर्वे

महर्षि डॉ. धोंडो केशव कर्वे प्रसिद्ध समाज सुधारक थे। उन्होंने महिला शिक्षा और विधवा विवाह में महत्त्वपूर्ण योगदान किया। उन्होंने अपना जीवन महिला उत्थान को समर्पित कर दिया। उनके द्वारा मुम्बई में स्थापित एस एन डी टी महिला विश्वविद्यालय भारत का प्रथम महिला विश्वविद्यालय है। वे वर्ष 1891 से वर्ष 1914 तक पुणे के फर्ग्युसन कॉलेज में गणित के अध्यापक थे। उन्हें वर्ष 1958 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

उनका जन्म 18 अप्रेल, 1858 को महाराष्ट्र के मुरुड नामक कस्बे (शेरावाली, जिला रत्नागिरी), में एक गरीब परिवार में हुआ था। पिता का नाम श्री केशवपंत और माता का नाम मॉ लक्ष्मीबाई। आरंभिक शिक्षा मुरुड में हुई। पश्चात सतारा में दो ढाई वर्ष अध्ययन करके मुंबई के राबर्ट मनी स्कूल में दाखिल हुए। 1884 ई. में उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से गणित विषय लेकर बी. ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। बी.ए. करने के बाद वे एलफिंस्टन स्कूल में अध्यापक हो गए। महर्षि कर्वे का विवाह 15 वर्ष की आयु में ही हो गया था और बी.ए. पास करने तक उनके पुत्र की अवस्था ढाई वर्ष हो चुकी थी। अतः खर्च चलाने के लिए स्कूल की नौकरी के साथ–साथ लड़कियों के दो हाईस्कूलों में वे अंशकालिक काम भी करते थे। गोपालकृष्णन गोखले के निमंत्रण पर 1891 ई. में वे पूना के प्रख्यात फर्ग्युसन कालेज में प्राध्यापक बन गए। यहाँ लगातार 23 वर्ष तक सेवा करने के उपरांत 1914 ई. में उन्होंने अवकाश ग्रहण किया।

भारत में हिंदू विधवाओं की दयनीय और शोचनीय दशा देखकर महर्षि कर्वे, मुंबई में पढ़ते समय ही, विधवा विवाह के समर्थक बन गए थे। उनकी पत्नी का देहांत भी उनके मुंबई प्रवास के बीच हो चुका था। अतः 11 मार्च 1893 ई. को उन्होंने गोड़बाई नामक विधवा से विवाह कर, विधवा विवाह संबंधी प्रतिबंध को चुनौती दी। इसके लिए उन्हें घोर कष्ट सहने पड़े। मुरुड में उन्हें समाज बहिष्कृत घोषित कर दिया गया। उनके परिवार पर भी प्रतिबंध लगाए गए। महर्षि कर्वे ने 'विधवा विवाह संघ' की स्थापना की। किंतु शीघ्र ही उन्हें पता चल गया कि इक्के–दुक्के विधवा विवाह करने अथवा विधवा विवाह का प्रचार करने से विधवाओं की समस्या हल होने वाली नहीं है। अधिक आवश्यक यह है कि विधवाओं को शिक्षित बनाकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा किया जाए ताकि वे सम्मानपूर्ण जीवन बिता सकें। अतः 1896 ई. में उन्होंने 'अनाथ बालिकाश्रम एसोसिएशन' बनाया और जून, 1900 ई. में पूना के पास हिंगणे नामक स्थान में एक छोटा सा मकान बनाकर 'अनाथ बालिकाश्रम' की स्थापना की गई। 4 मार्च 1907 ई. को उन्होंने 'महिला विद्यालय' की स्थापना की जिसका अपना भवन 1911 ई. तक बनकर तैयार हो गया।

काशी के बाबू शिवप्रसाद गुप्त जापान गए थे और वहाँ के महिला विश्वविद्यालय से बहुत प्रभावित हुए थे। जापान से लौटने पर 1915 ई. में गुप्त जी ने उक्त महिला विश्वविद्यालय से संबंधित एक पुस्तिका महर्षि कर्वे को भेजी। उसी वर्ष दिसंबर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का बंबई में अधिवेशन हुआ। कांग्रेस अधिवेशन के साथ ही 'नेशनल सोशल कॉन्फ्रेंस' का अधिवेशन होना था जिसके अध्यक्ष महर्षि कर्वे चुने गए। गुप्त जी द्वारा प्रेषित पुस्तिका से प्रेरणा पाकर महर्षि कर्वे ने अपने अध्यक्षीय भाषण का मुख्य विषय 'महाराष्ट्र में महिला विश्वविद्यालय' को बनाया। महात्मा गांधी ने भी महिला विश्वविद्यालय की स्थापना और मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा देने के विचार का स्वागत किया। फलस्वरूप 1916 ई. में महर्षि कर्वे के अथक प्रयासों से पूना में महिला विश्वविद्यालय की नींव पड़ी, जिसका पहला कालेज 'महिला पाठशाला' के नाम से 16 जुलाई 1916 ई. को खुला। महर्षि कर्वे इस पाठशाला के प्रथम प्रिंसिपल बने। लेकिन धन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपना पद त्याग दिया और धनसंग्रह के लिए निकल पड़े। चार वर्ष में ही सारे खर्च निकालकर उन्होंने विश्वविद्यालय के कोष में दो लाख 16 हजार रुपए से अधिक धनराशि जमा कर

दी। इसी बीच बंबई के प्रसिद्ध उद्योगपति सर विट्ठलदास दामोदर ठाकरसी ने इस विश्वविद्यालय को 15 लाख रुपए दान दिए। अतः विश्वविद्यालय का नाम श्री ठाकरसी की माता के नाम पर 'श्रीमती नत्थीबाई दामोदर ठाकरसी (एस.एन.डी.टी.) विश्वविद्यालय' रख दिया गया और कुछ वर्ष बाद इसे पूना से मुंबई स्थानांतरित कर दिया गया। 70 वर्ष की आयु में महर्षि कर्वे उक्त विश्वविद्यालय के लिए धनसंग्रह करने यूरोप, अमरीका और अफ्रीका गए।

सन् 1936 ई. में गांवों में शिक्षा के प्रचार के लिए महर्षि कर्वे ने 'महाराष्ट्र ग्राम प्राथमिक शिक्षा समिति' की स्थापना की, जिसने धीरे–धीरे विभिन्न गाँवों में 40 प्राथमिक विद्यालय खोले। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद यह कार्य राज्य सरकार ने सँभाल लिया।

सन् 1915 ई. में महर्षि कर्वे द्वारा मराठी भाषा में रचित 'आत्मचरित' नामक पुस्तक प्रकाशित हो चुकी थी। 1942 ई. में काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने उन्हें डॉ. लिट्. की उपाधि प्रदान की। 1954 ई. में उनके अपने महिला विश्वविद्यालय ने उन्हें एल. एल.डी. की उपाधि दी। 1955 ई. में भारत सरकार ने उन्हें 'पद्म विभूषण' से अलंकृत किया और 100 वर्ष की आयु पूरी हो जाने पर, 1957 ई. में मुंबई विश्वविद्यालय ने उन्हें एल.एल.डी. की उपाधि से सम्मानित किया। 1958 ई. में भारत के राष्ट्रपति ने उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारतरत्न' से विभूषित किया। भारत सरकार के डाक तार विभाग ने इनके सम्मान में एक डाक टिकट निकालकर इनके प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की थी। देशवासी आदर से उन्हें महर्षि कहते थे। 9 नवम्बर 1962 ई. को 104 वर्ष की आयु में महर्षि कर्वे का शरीरांत हो गया।

महिला सशक्तिकरण

श्रीकांत शर्मा
सहायक लीडर ट्रेनर, लालसोट, दौसा

अगर महिला सशक्तिकरण करना है, तो बालिका सशक्तिकरण अति आवश्यक है। किसी भी विकसित और न्यायपूर्ण समाज की कल्पना सशक्त महिलाओं के बिना अधूरी है। लेकिन महिला सशक्तिकरण कोई ऐसा लक्ष्य नहीं है जिसे महज नारों से या रातों–रात हासिल किया जा सके। हाल ही में भारत स्काउट्स गाइड्स स्थानीय संघ लालसोट की महिला संगोष्ठी में उठा यह विचार "सशक्त बालिका से ही सशक्त महिला बनेगी" इस दिशा में सबसे सटीक और व्यावहारिक मार्ग दिखाता है।

इस परिप्रेक्ष्य में भारत स्काउट एवं गाइड आंदोलन की भूमिका अत्यंत प्रासंगिक हो जाती है। यह संस्था महिला सशक्तिकरण का महज एक नारा नहीं, बल्कि जमीनी पर्याय है। यह बालिकाओं को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उन्हें आपदा प्रबंधन, आत्मरक्षा, नेतृत्व (लीडरशिप) और अनुशासन के व्यावहारिक गुर सिखाकर आत्मविश्वास से लबरेज करती है। जब एक बालिका 'गाइड' की वर्दी पहनकर खुले आसमान के नीचे कैंपिंग और चुनौतियों का सामना करना सीखती है, तो वह अनजाने में ही समाज की कई रूढ़िवादी बेड़ियों को तोड़ रही होती है।

एक डरी हुई या अवसरों से वंचित बच्ची से हम भविष्य में एक निडर और आत्मनिर्भर महिला बनने की अपेक्षा नहीं कर सकते। इसलिए, सशक्तिकरण की शुरुआत बचपन से होनी चाहिए। स्काउट और गाइड जैसे मंच बालिकाओं की इसी नींव को फौलादी बना रहे हैं। समय की माँग है कि समाज, अभिभावक और नीति–निर्माता ऐसे अभियानों को और अधिक प्रोत्साहित करें, ताकि आज की सशक्त बालिका कल एक मजबूत राष्ट्र की रीढ़ बन सके।

शोकाभिव्यक्ति

यह जानकर हार्दिक वेदना हुई कि अजमेर मण्डल के सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री विनोद दत्त जोशी के पुज्य पिताजी श्री सुरेन्द्र दत्त जोशी का आकस्मिक निधन हो गया है।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड परिवार हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान तथा परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

राज्य सचिव

हमारा स्वास्थ्य

अच्छी सेहत के लिए

जरूरी है सुकून भरी नींद

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव
संकलनकर्ता

भागती–दौड़ती जिंदगी में इंसान जब रात में थक कर सोने की कोशिश करता है तो सुकून भरी नींद भी उसे नसीब नहीं होती है। जिसके कारण उसकी रात केवल करवटें बदलते ही बीतती है। इस कारण इंसान हाई ब्लड प्रेशर और चिड़चिड़ेपन का शिकार हो जाता है। यही नहीं उसे सिरदर्द और मोटापे का भी दंश झेलना पड़ता है। इस कारण वो झल्लाकर डॉक्टरों के पास पहुंच जाता है और भारी–भरकम पैसा अपनी दवाईयों पर खर्च करता है, लेकिन उसके बावजूद भी वो अपनी समस्याओं से पूरी तरह निजात नहीं पाता है।

अगर वही इंसान अपनी व्यस्त लाईफ स्टाइल में थोड़ा सा परिवर्तन कर ले, तो यकीन मानिए उसे डॉक्टर के पास समय और ना ही दवाइयों पर पैसे खर्च करने पड़ेंगे।

यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, जिन पर अमल करने से आप पायेंगे बहुत अच्छी नींद और सेहतमंद जिंदगी।

1. सोने के लिए आप हमेशा ढीले–ढाले कपड़ों का प्रयोग कीजिये।
2. सोने के लिए कमरे का तापमान सामान्य होना चाहिए।
3. सोने से करीब दो घंटे पहले रात का भोजन करना चाहिए। कभी भी खाना खाकर तुरंत नहीं सोना चाहिए और ना ही भारी–भरकम भोजन करना चाहिए, हमेशा रात का खाना हल्का होना चाहिए।
4. रात को सोने से पहले गुनगुने दूध या फिर हलके गर्म दूध का सेवन करना अच्छा होता है।
5. आप अपनी दिनचर्या में शारीरिक व्यायाम को शामिल करें, क्योंकि अक्सर आप ऑफिस में कुर्सियों पर लगातार बैठकर काम करते हैं, जिससे आपका दिमाग तो लगातार थकता है, लेकिन शरीर का निचला हिस्सा सुस्त अवस्था में पड़ जाता है इसलिए सोते समय आपको पीठ दर्द या कमर दर्द का एहसास होता है, जो आपकी नींद को दूर भगा देता है। व्यायाम करने से यह समस्या दूर हो जायेगी।
6. कमरे में सोते समय हल्की रोशनी होनी चाहिए।
7. सोने वाला कमरा साफ सुथरा होना चाहिए।
8. कभी भी सोने से पहले दुर्व्यसन जैसे शराब और सिगरेट का सेवन नहीं करना चाहिए।
9. कभी भी मुंह ढककर नहीं सोना चाहिए।
10. हो सके तो खाना खाने के बाद आप 10–15 मिनट टहलें, इससे भोजन को पचने में मदद मिलेगी और आपको नींद अच्छी आयेगी।
11. हो सके तो सोने से पहले आप अपनी कोई मनपसंद किताब पढ़ें, इससे भी नींद अच्छी आती है।
12. और अंत में सबसे महत्वपूर्ण बात.. वो यह कि सोने से पहले आप अपनी सारी चिंताओं के छोड़ दें और बिल्कुल शांत मन से बिस्तर पर जायें।

CELEBRATIONS DAYS : APRIL & MAY, 2026

07 April	:	World Health Day
22 April	:	World Earth Day
23 April	:	World Book Day
15 May	:	World Family Day
18 May	:	International Museum Day
22 May	:	International Day for Biological Diversity
30 May	:	Hindi Journalism Day
31 May	:	World No-Smoking Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

शिक्षक के लिए धैर्य

सकारात्मक चिन्तन

तरूण कुमार सोलंकी

एक अच्छे शिक्षक के लिए मन शान्ति एवं धैर्यशीलता का गुण आवश्यक है। बिना मन की शांति के अच्छे व भली प्रकार अपने विद्यार्थियों का अध्यापन नहीं करा सकता और धैर्यशीलता नहीं है तो अपने विद्यार्थियों के साथ संतोषजनक संवाद व विचार विमर्श भी नहीं कर सकता है।

धैर्य मावन व्यक्तित्व में ईश्वर द्वारा प्रदत्त ऐसा अनुपम गुण है जो उसे देव तुल्य बना देता है। हमारे शास्त्रों में भी नायक का प्रमुख गुण धैर्य बताया गया है। यदि व्यक्ति में धीरज हो तो वह चाहे कैसी भी विपदा आ जाये, विचलित व मानसिक सन्तुलन नहीं खोता, विपरीत मन को शान्त कर विपदा पर पुनः विचार कर सही हल खोजने का प्रयास करता है। धैर्य की बदौलत ही वह हर परिस्थिति को बिना किसी उद्विग्नता के न केवल स्वीकार कर लेता है बल्कि मुकाबला करने का भी तत्पर रहता है।

शान्त मन धीर–गंभीर शिक्षक की यह विशेषता होती है कि निरर्थक को सार्थक में बगैर झुंझलाहट के बदलाव करने का हुनर जानता है। सन्त कबीर की वाणी 'धीरे–धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय, माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होए।'

यानी जल्दबाजी और उतावलेपन में कुछ नहीं रखा है। त्वरित फल प्राप्ति की कामना अविकसित व्यक्तित्व की निशानी है। जल्दी में काम करना और काम के परिणाम पर विचार किये बिना जल्दबाजी करना दोनों ही गलत है। बीज बोने के बाद यदि माली सौ घडे पानी से उसे सींच ले और तुरन्त प्रतिफल की कामना करें तो गलत होगा। फल तो पौधा बड़ा होने और ऋतु के आगमन पर ही देगा। अतः मानस के समग्र विकास के लिये धैर्य परमावश्यक है। इसीलिये तो भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि 'कर्म पर ही तेरा अधिकार है उसके फलों पर नहीं।' 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' जैसा संदेश देकर भगवान श्री कृष्ण धीरज धारण करने की प्रेरणा ही दे रहे हैं। वो नहीं चाहते कि मेरा भक्त या साधक कर्म के दौरान अधीर होकर शीघ्र फल प्राप्ति के चक्कर में भ्रमित होकर भटकाव का शिकार हो जाए। ऐसा कोई भी शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिये नहीं चाहेगा।

एक सकारात्मक सोच का शिक्षक शांत मन से विद्यार्थियों के सामने प्रश्न रखता है तथा धैर्य के साथ विद्यार्थियों के उत्तर सुनता है। सभी छात्रों को कक्षा में बोलने व सुनने का अवसर प्रदान करता है। अन्त में शिक्षक अपनी बात बड़े शांत मन से व धैर्य के साथ रखता है। विद्यार्थियों द्वारा उठायी गयी समस्याओं का उचित सम्मान रखता है साथ में विद्यार्थियों से चर्चा भी करता रहता है।

यदि मन शांत है तो अपने जीवन को सुखमय व्यतीत करता है। पूर्ण किये गये कार्य में खुशी व सुख मिलता है और यह देखा गया की कर्म भी उच्चगुणवत्ता से पूर्ण होता है। यदि मन किसी अन्य कारण से अशांत है तो कार्य सफल होने पर भी खुशी महसूस नहीं होती व धैर्य भी नहीं रहता। शांत मन व धैर्य से विचार करने पर मानव में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा बुद्धि भी तेजी से व सही दिशा में सोच कर कार्य को भली प्रकार पूर्ण करती है। मन की शांति के लिये कुछ छोटे कदम मददगार हो सकते हैं इसमें सब से पहले है सकारात्मक सोच व धैर्य। अगर आप हर बात को सकारात्मक सोच के साथ देखते हैं व धैर्य से समझते हैं तो जीवन की आधी समस्या दूर हो जाती है और मन में असीम शांति मिलती है। विद्यार्थियों में आप के प्रति विश्वास बढ़ता है। बालकों में यह गुण विकसित किया जा सकता है कि चाहे कैसी भी खराब परिस्थिति हो या विपदा आये विचलित नहीं होना चाहिये बल्कि धैर्य के साथ समस्या को समझ कर हल करने का पूर्ण प्रयास करना चाहिये।

दूसरा है ईर्ष्या और द्वेष–विद्यार्थियों को इन दोनों से बचाने के लिये सब से पहले शिक्षक स्वयं इन दोनों से बचें। मानव स्वभाव है कभी ईर्ष्या होने पर उस व्यक्ति में उस गुण को देखे जो आप में इर्ष्या उत्पन्न कर रही है, पर ध्यान न देकर सकारात्मक सोच के साथ उसकी अच्छी बातों को स्वीकार करें व उन पर चलने या उन्हें करने का प्रयास करें तो आप में अपने आप ईर्ष्या व द्वेषता नहीं रहेगी। विद्यार्थियों में यह गुण उन से कई बार चर्चा कर, टोक कर, कह कर उनके व्यवहार में धैर्य के साथ स्वयं को शांत व नियन्त्रित करते हुये परिवर्तन कर सकते हैं।

एक शिक्षक प्रतिदिन सुबह उठते ही सब से पहले अपने ईश्वर को याद करे तथा कुछ मिनट मन पर ध्यान करे। इस से मन की शक्ति बढ़ेगी, जिस से आप का (स्वयं शिक्षक का) आत्मविश्वास व धैर्य बढ़ेगा और आप किसी भी चुनौती का सफलता पूर्वक समाधन कर सकेंगे। एक शिक्षक ही नहीं कोई भी व्यक्ति या मानव इस कार्य को कर सकता है।

जब रात्रि में सोने के लिये जाएं तो पूरे दिन की घटनाओं पर क्रमवार विचार करें और देखें कि ऐसी कौनसी घटना या बात है जिसने आपको व्याकुल बना रखा है। उसके कारण पर विचार कर दूसरे दिन हल करने का विचार कर सब कुछ भगवान या ईश्वर या अपने ईष्ट को अर्पण कर दें। धैर्य के साथ मन को पूर्ण शांत कर शरीर को विश्राम देने का प्रयास करें।

शिक्षक के लिये तीसरी बात कक्षा कक्ष में जाने से पूर्व यह विचार करें या पाठ्यवस्तु को देखें कि आज कक्षा में मुझे क्या व कितना अध्यापन करवाना है। किस विधि का प्रयोग करना है। साथ ही सफल संवाद विद्यार्थियों के साथ किस प्रकार (उतार चढ़ाव) करना है तो आप निश्चित एक सफल व बालकों व विद्यार्थियों के लिये प्रेरणा देने वाले धैर्यवान शिक्षक होंगे।

–सेनि.रीडर,
रा.उ.अध्ययन शिक्षा संस्थान, बीकानेर

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'कलाकार' एवं 'शिविर संरक्षक' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

कलाकार
ARTIST

प्रत्येक बालक–बालिका में कोई न कोई कला विद्यमान होती है। आवश्यकता होती है इनमें छिपी कला को उजागर करने की। स्काउट गाइड संगठन दक्षता बैज के माध्यम से स्काउट–गाइड को उनमें विद्यमान कला से उन्हें अवगत कराने का कार्य करता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए कलाकार दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। इस दक्षता बैज के लिए स्काउट गाइड को निम्न कलाओं का प्रदर्शन करना होता है –

(1) सुचित्रिता कला (ग्राफिक आर्ट) – रेखा चित्र बनाना, रंग भरना, धातु की प्लेट पर चित्रकारी, लकड़ी पर खुदाई और लिनोकट्स।

(2) सजावटी कार्य – वॉल पेपर डिजाइन या कपड़े पर बुनाई, पोस्टर, पुस्तक आवरण, चपटा किया गया लोहा आदि।

(3) प्लास्टिक कला – चिकनी मिट्टी की मूर्तियां बनाना, प्लास्टिसीन का सामान, मिट्टी के बर्तन बनाना तथा डिजाइन बनाना।

(4) नक्काशी करना – लकड़ी पर, पत्थर पर या अर्द्ध–स्थायी पदार्थों पर जैसे–साबुन आदि पर नक्काशी करना।

(5) अक्षर कला – रोम लिपि आदि।

किसी भी दशा मे हूँबहूँ नकल या प्रतिलिपि मान्य नहीं होती है। उसे अपनी मर्यादा को ध्यान में रखते हुए, सम्पूर्ण कार्य अपने हाथ से ही करना होता है।

टिप्पणी :

(1) कला का उद्देश्य किसी राष्ट्रीय समस्या जैसे– संरक्षण, जनसंख्या, शिक्षा आदि से सम्बन्धित होना चाहिए।

(2) अपनी एक सर्वश्रेष्ठ कृति तैयार कर उसे अपने क्लब रूम में रखे या उसे किसी दिव्यांग बच्चे को उपहार स्वरूप दें।

(3) परीक्षक की उपस्थिति में उनके द्वारा चुने गए संख्या 1 से सम्बन्धित कुछ वस्तुओं अथवा वस्तु समूह या डिजाइन का रेखाचित्र बनाए।

शिविर संरक्षक
CAMP WARDEN

शिविर संरक्षक दक्षता बैज प्राप्त करने के लिए स्काउट गाइड को निम्न कार्य करने होते हैं –

(1) चार अवसरों पर कम–से–कम दस रात्रि शिविर में रहा हो।

(2) स्काउट्स के ग्रीष्मकालीन शिविर में पूर्णकालिक क्वार्टर मास्टर के रूप में सहयोग प्रदान किया हो।

(3) अपने कर्तव्य पालन के क्रम में तीन दिन के लिए स्थायी शिविर संरक्षक के रूप में सहयोग किया गया हो।

(4) तम्बू–कला के विषय में जानकारी हो तथा शिविर सम्बन्धी और प्रशिक्षण सम्बन्धी सामग्री को सुरक्षित रखने के तरीके जाने।

(5) एक शिविर पुस्तकालय को व्यवस्थित रख सके।

(6) 'शिविर स्वच्छता' के बारे में पर्याप्त जानकारी रखे।

(7) प्राथमिक सहायता की पर्याप्त जानकारी हो तथा आपातकाल के अवसर पर सहायता प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी हो।

(8) शिविर में शिविरार्थियों के लिए भोजन सामग्री का अनुमान लगाने, खरीदने, बाँटने तथा देखभाल करने की क्षमता हो।

गतिविधि पञ्चांग

राज्य पञ्चांग

PROPOSED

नाम शिविर/गतिविधि	स्थान	तिथियां
नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रतिमाह
स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
एमओपी/एसडीजी पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 11, 13)	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप स्तर पर	प्रति शनिवार
डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
National Level Environment Awareness & Coastal Trekking Programme	20 - 24 April 2026	Sasan Gir, Gujarat
National Integration Camp	10 - 14 May 2026	Ganganagar, West Bengal
National Level Disaster Preparedness & Management Training Course	15 - 21 May 2026	Dehradun, Uttarakhand

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
39th WAGGGS World Conference	14 - 19 June 2026	Siem Reap, Cambodia
Turkic Jamboree 2026	15 - 25 July 2026	Istanbul, Turkiye
Jamboree Denmark 2026	18 - 26 July 2026	Hedeland Naturepark
Icelandic International Jamboree 2026	20 - 26 July 2026	Hamrar Outdoor Scout Center
Asia-Pacific Workshop on Scouts for SDGs: Empowering NSOs through Education for Sustainable Development (ESD)	05 - 08 September 2025	Hong Kong
26th World Scout Jamboree-Poland	30 July - 08 August 2027	Gdansk, Northern Poland

National Headquarters website : www.bsgindia.org

जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन एवं अवलोकन शिविर

चूरू

दौसा

सवाई माधोपुर

बाड़मेर

झालावाड़

जालोर

राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं राज्य आयुक्त श्री आर.पी. सिंह डूंगरपुर की विजिट के दौरान स्काउटर गाइडर एवं रोवर रेंजर के साथ एवं बांसवाड़ा जिले में स्थानीय गाइडर्स श्री निरंजन आर्य को स्वागत में पौधा भेंट करती हुई

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन - प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835
प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti https://rajscoutguide.org/